RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 14 ▪ अंक - 32 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 24-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 राजस्थान में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण : शर्मा

6 मोबाइल की घातक चाह का आत्मघाती दलदल

7 एजुकेशन सिस्टम ऐसा हो कि हर बच्चा को अच्छी शिक्षा का मौका मिले

भारत में वैश्विक पोत निर्माण का केंद्र बनने की क्षमता : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत पारंपरिक पोत निर्माण करने वाले देशों के बीच इस उद्योग को लेकर 'आई शून्यता' का लाभ उठाकर एक वैश्विक पोत निर्माण केंद्र बनने में सक्षम है। सिंह यहां ऑनलाइन माध्यम से गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई)और यंत्र इंडिया लिमिटेड की पांच विस्तार परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि पोत निर्माण प्रौद्योगिकी में तेजी से विकास हो रहा है। सिंह ने कहा कि पारंपरिक पोत निर्माता धीरे-धीरे उत्पादन कम कर रहे हैं और भारत इस मौके का लाभ उठा सकता है। उन्होंने कहा, 'भारत इस अवसर का लाभ लेकर वैश्विक पोत निर्माण केंद्र के रूप में खुद को स्थापित करने में सक्षम है।' सिंह ने कहा कि देश के पास बड़ी संख्या में कार्यबल और इस्पात कंपनियां हैं, साथ ही नई तकनीकों को अपनाने की इच्छाशक्ति भी है। कोलकाता में आयोजित इस कार्यक्रम में उनके साथ पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे।

सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगभग 3,500 करोड़ रुपये की लागत वाली पांच परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है। इन परियोजनाओं में जीआरएसई की 'तीन और यंत्र इंडिया' की दो विस्तार योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल विकास के एक नए दौर की शुरुआत करने के लिए कदम उठाएगा। पश्चिम बंगाल में कारखानों के बंद होने और तालाबंदी की खबरों की जगह अब नई परियोजनाओं की शुरुआत ने ले ली हैं। शुभेंदु ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की पिछली सरकारों ने राज्य के विकास के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम नहीं किया। उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल की पिछली सरकारों ने राज्य के विकास के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम नहीं किया। 50 साल की नकारात्मकता खत्म हो गई है और हमारी डबल-इंजन' सरकार अब यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य आगे बढ़े।'' कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए जीआरएसई ने पोत बनाने और उनकी मरम्मत करने की अपनी क्षमता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह, कोलकाता (एसएमपीके) के साथ पट्टा समझौता किए हैं। इस समझौते के तहत हुगली नदी के दोनों किनारों पर दो छोटे शिपयार्ड और रायचक में नदी के किनारे 32 एकड़ जमीन ली गई है। उन्होंने कहा कि रायचक सुविधा को 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ जहाज बनाने के केंद्र के तौर पर विकसित किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि ईशापुर में यंत्र इंडिया की मेटल एंड स्टील फैक्टरी (एमएसएफ) में 750 करोड़ रुपये से अधिक के कुल निवेश वाली दो सुविधाएं, देश में ही धातु और रक्षा से जुड़े विनिर्माण मजबूत करेंगी। उन्होंने कहा, ये परियोजनाएं जीआरएसई की क्षमताओं को मजबूत करेंगे और साथ ही रोजगार सृजित करके तथा सहायक उद्योगों, खासकर एमएसएमई के लिए अधिक अवसर पैदा करके पश्चिम बंगाल के औद्योगिक पारिस्थितिकी को फिर से खड़ा करने में मदद करेंगे।

फर्स्ट टेक

पाकिस्तानी सेना प्रमुख अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में गतिरोध के बीच सोमवार को तेहरान पहुंचेंगे

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सोमवार को तेहरान की यात्रा करेंगे। ईरान के विदेश मंत्रालय ने रविवार को यह घोषणा की। पाकिस्तानी सेना प्रमुख की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब पाकिस्तान, अमेरिका और ईरान के बीच रुकी हुई शांति वार्ता बहाल कराने के लिए नए सिरे से मध्यस्थता की कोशिशें कर रहा है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच दोबारा सैन्य हमले शुरू होने से तनाव बढ़ गया, जिसके चलते पिछले महीने वह अंतरिम शांति समझौता टूट गया, जिसमें पाकिस्तान गारंटर बना था। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने रविवार को संवाददाताओं को बताया कि फील्ड मार्शल मुनीर के साथ एक प्रतिनिधिमंडल भी होगा, जो ईरानी नेतृत्व के साथ उच्चस्तरीय बातचीत करेगा।

अभिनेता यश के कार्यक्रम में साउंड बॉक्स गिरने से चार लोग घायल

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद के एक निजी विश्वविद्यालय में अभिनेता यश अभिनीत फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' के प्री-रिलीज कार्यक्रम के दौरान साउंड बॉक्स' गिरने से एक छात्र सहित चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह हादसा शनिवार रात मेडचल स्थित मल्ला रेड्डी विश्विद्यालय में उस समय हुआ, जब अभिनेता मंच से प्रशंसकों की भारी भीड़ को संबोधित कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि कार्यक्रम में आए युवाओं का एक समूह साउंड बॉक्स' के स्टैंड पर चढ़ गया, जो अचानक गिर गया।

जापान में मध्यम तीव्रता का भूकंप

तोक्यो/एपी। जापान के पूर्वी सहित तोक्यो क्षेत्र में रविवार तड़के मध्यम तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें कम से कम 37 लोग घायल हो गए। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि अधिकतर लोगों को मामूली चोटें आईं। भूकंप के बाद सुनामी का कोई खतरा नहीं है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 5.9 थी और इसका केंद्र दक्षिणी इबाराकी प्रांत में 70 किलोमीटर की गहराई में था। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने इसकी तीव्रता 5.8 बताई है। प्रांतीय अधिकारियों और अग्नि एवं आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, क्षेत्र के पांच प्रांतों में कम से कम 37 लोग घायल हुए।

सूर्यास्त 24-07-2026 6:25 बजे	सूर्योदय 25-08-2026 5:59 बजे
BSE 77,540.83 (+3.11)	NSE 24,252.00 (+20.16)
सोना 16,180 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 270,000 रु. प्रति किलो

वंदे मातरम्

विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक दल ने रविवार, 23 अगस्त 2026 को शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम' गाया।

अंतरिक्ष क्षेत्र में काम कर रहीं निजी कंपनियां अनुसंधान का माहौल बनाएं : नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

> मेरा पुख्ता विश्वास है कि आपकी वजह से हम चुंबक की तरह सभी मेधावियों को अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं, और यह हमारे लिए एक बहुत बड़ी ताकत बन सकता है। प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष स्टार्टअप के उन सीईओ की तारीफ की जिन्होंने एक नए क्षेत्र में कदम रखने का साहस दिखाया।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य कर रहीं निजी कंपनियों से अपने ईर्द-गिर्द अनुसंधान के लिए माहौल बनाने की अपील की ताकि दुनिया भर के लोग करियर बनाने के उद्देश्य से भारत आने के लिए प्रेरित हों। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाली 20 स्टार्टअप के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और संस्थापकों के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के समक्ष भारत की लागत-प्रतिस्पर्धात्मकता को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री और अंतरिक्ष स्टार्टअप के पदाधिकारियों एवं संस्थापकों के साथ संवाद की जानकारी रविवार को दी गई। इसके अनुसार मोदी ने रेखांकित किया कि देश के विशाल प्रतिभा आधार और जोखिम उठाने की अधिक क्षमता की वजह से भारत वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में तेजी से मजबूत स्थिति बना पाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया अब भारतीय स्टार्टअप पर नजर रखे हुए हैं और वह जानना चाहती है कि इस क्षेत्र में कौन आगे है। उन्होंने कहा कि क्योंकि जब भी कोई बड़ी कामयाबी मिलती है, तो लोगों का ध्यान तुरंत उस ओर चला जाता है।

एक सीईओ ने प्रधानमंत्री को बताया कि भारत में निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष उद्योग के द्वार खोले जाने के बाद से बहुत सकारात्मक रुझान देखने को मिले हैं और अमेरिका और यूरोप में रहने वाले कई भारतीय नागरिक अब देश वापस आकर काम करना चाहते हैं।

इसके जवाब में मोदी ने कहा, ''हमें बहुत से लोगों से जुड़ने की जरूरत है। जो लोग विदेश गए थे, वे अब वापस आ रहे हैं। मेरा मानना है कि हमें ऐसा माहौल बनाना चाहिए जिससे दुनिया भर के लोगों को यह लगे कि अगर उन्हें अपना करियर बनाना है, तो उन्हें भारत जाना चाहिए।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भर के ऐसे लोगों को यह महसूस होना चाहिए कि उन्हें भारत में किसी स्टार्टअप और भारत की किसी अंतरिक्ष एजेंसी से जुड़ना चाहिए।

उन्होंने कहा, मेरा पुख्ता विश्वास है कि आपकी वजह से हम चुंबक की तरह सभी मेधावियों को अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं, और यह हमारे लिए एक बहुत बड़ी ताकत बन सकता है। प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष स्टार्टअप के उन सीईओ की तारीफ की जिन्होंने एक नए क्षेत्र में कदम रखने का साहस दिखाया। मोदी ने कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि उन्होंने सरकार की बात पर भरोसा किया।

उन्होंने कहा, ''मेरी हमेशा से यही राय रही है कि हम जो भी फैसला लें, उस पर अडिग रहें और बार-बार बदलाव करने से बचें। इससे खतरा लेने वाले लोगों को यह भरोसा रहता है कि अगर उनसे कोई गलती हो भी जाए और उससे कोई समस्या खड़ी हो, तो भी कोई उन्हें अकेला नहीं छोड़ेगा। हमारा उद्देश्य यही भरोसा कायम करना है।''

प्रधानमंत्री से संवाद के कार्यक्रम में स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस, पिक्सेल, ध्रुव स्पेस, गैलेक्सआई, पियरसाइट, बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस, दिगंतरा, सैटश्योर, सुहोरा टेक्नोलॉजीज, मनस्तु स्पेस, एस्ट्रोबेस, टेकमी2स्पेस, व्योमआईसी, कॉस्मोसर्व स्पेस, ऑर्बिटएड एयरोस्पेस, स्काईसर्व (हाइस्पेस), सेरेंडिपिटी स्पेस, वासर लैब्स और मिस्टईओ नामक स्टार्टअप के प्रतिनिधि शामिल थे।

बंगाल की खाड़ी में पनामा ध्वज वाला जहाज डूबने के बाद चालक दल के 22 सदस्यों की तलाश जारी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के पारादीप तट से करीब 230 समुद्री मील दूर बंगाल की खाड़ी में चालक दल के 24 सदस्यों को लेकर जा रहे पनामा के ध्वज वाले मालवाहक जहाज के शनिवार को डूबने के बाद भारतीय तटरक्षक बल और नौसेना की पूर्वी कमान ने लापता 22 सदस्यों की तलाश और बचाव अभियान तेज कर दिया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, 'एमवी ओशियन विनर' नामक जहाज पर 20 चीनी, तीन म्यांमा और एक बांग्लादेशी नागरिक सवार थे। दो सदस्यों को शनिवार को सुरक्षित बचा लिया गया था। तटरक्षक बल के एक प्रवक्ता ने बताया कि समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) ने आसपास मौजूद 'एमटी एएसोपोस' नामक एक वाणिज्यिक जहाज का मार्ग बदलकर उसे लापता जहाज या जीवनरक्षक नौकाओं की तलाश करने और सहायता पहुंचाने के लिए भेजा था और इस जहाज ने शनिवार रात करीब आठ बजे दो जीवनरक्षक नौकाओं से दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। तटरक्षक बल ने रविवार को एक्स' पर बताया कि बाकी सदस्यों की समुद्र में तलाश के लिए तीन जहाजों को तैनात किया गया है। नौसेना की पूर्वी कमान ने 'एक्स' पर कहा कि निगरानी गश्त पर निकले पी8आई' विमान को श्रीविजय पुरम में एमआरसीसी के समन्वय से खोज एवं बचाव अभियान के लिए तत्काल फिर से तैनात किया गया है।

रूस, यूक्रेन के हमलों में 10 लोगों की मौत

कीव/एपी। यूक्रेन में रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। वहीं, यूक्रेन के ड्रोन हमले में रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह हमला यूक्रेन के एक शॉपिंग सेंटर पर हुए हमले के एक दिन बाद हुआ, जिसमें 16 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 130 लोग घायल हो गए थे। रूस की सेना ने हाल के दिनों में कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले तेज कर दिए हैं। यूक्रेन के पास अमेरिका निर्मित पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइल की लगातार कमी है और उसके शस्त्रागार में ये ही एकमात्र हथियार हैं, जो इन मिसाइल को मार गिराने में सक्षम हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि नये हमलों में राजधानी कीव में बैलिस्टिक मिसाइल के रेलवे आधारभूत ढांचे पर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

वायुसेना 'थिएटराइजेशन' के खिलाफ नहीं : एयर चीफ मार्शल सिंह

नई दिल्ली/भाषा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने शनिवार को कहा कि भारतीय वायुसेना 'थिएटराइजेशन' के खिलाफ नहीं है और वह किसी भी नई पहल के लिए वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दे रही है, ताकि मौजूदा ढांचे में न्यूनतम व्यवधान हो। कानपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एयर चीफ मार्शल ने मौजूदा व्यवस्था में ''बड़ा बदलाव'' नहीं करने की बात कही। उन्होंने कहा कि भारत की सैन्य क्षमता को और मजबूत करने के लिए किसी दूसरे देश की नकल करने के बजाय अपनी व्यवस्था और क्षमताओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए। सरकार ने सेना के तीनों अंगों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के लिए 2019 में 'थिएटराइजेशन' की योजना की घोषणा की थी। हालांकि, इस दिशा में अब तक कोई खास प्रगति दिखाई नहीं दी है। थिएटराइजेशन मॉडल के तहत सरकार का उद्देश्य थलसेना, वायुसेना और नौसेना की क्षमताओं को एकीकृत करना तथा युद्ध और सैन्य अभियानों के दौरान उनके संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा, ''मैं यहां अपने लोगों को आश्वस्त कर सकता हूं कि वायुसेना थिएटराइजेशन के खिलाफ नहीं है, जैसा कि मीडिया में इसे पेश किया जाता है।'' एयर चीफ मार्शल ने कहा, वायुसेना इस बात पर जोर देती रही है कि हम इसे वस्तुनिष्ठ तरीके से देखें।

'एक राष्ट्र एक चुनाव' की अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाएं संत : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

> वंदे मातरम के महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया तथा संतों से वंदे मातरम के पूर्ण स्वरूप के प्रति जनजागरण करने का आह्वान किया।

हरिद्वार/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' को देश के विकास के लिए आवश्यक बताते हुए रविवार को संतों से अपील की कि वे अपने प्रवचनों के जरिये इस अवधारणा को लोगों तक पहुंचाएं। चौहान ने यहां प्राचीन अवधूत मंडल आश्रम में 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' विषय पर आयोजित संत समागम में हिस्सा लेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह संकल्प किसी राजनीतिक दल से नहीं बल्कि राष्ट्रहित से जुड़ा है। चौहान ने संतों से अपील की कि वे अपने प्रवचनों और सामाजिक प्रभाव के माध्यम से 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' की अवधारणा को आम जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि संतों की बात समाज में व्यापक प्रभाव डालती है और उनके माध्यम से इस विषय पर सकारात्मक जनमत तैयार किया जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस विषय को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने का कार्य किया है। उन्होंने संतों से आग्रह किया कि वे राजनीतिक दृष्टिकोण से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में इस पहल का समर्थन करें। चौहान ने कहा कि बार-बार चुनाव होने से देश की विकास गति और जनसेवा के कार्य प्रभावित होते हैं क्योंकि चुनाव के दौरान प्रशासनिक मशीनरी, शिक्षक, पुलिस और सुरक्षा बल चुनावी ड्यूटी में व्यक्त हो जाते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जाएं तो समय, धन और प्रशासनिक संसाधनों की बचत होगी जिससे सरकार और प्रशासन को विकास कार्यों पर अधिक ध्यान देने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश पहले है और राजनीतिक दल बाद में तथा देश आगे बढ़ेगा तो सभी राजनीतिक दल मजबूत होंगे।

वंदे मातरम के महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया तथा संतों से वंदे मातरम के पूर्ण स्वरूप के प्रति जनजागरण करने का आह्वान किया। चौहान ने कहा कि देश को अब किसी भी प्रकार के विभाजन की ओर नहीं जाने दिया जाना चाहिए और राष्ट्र की एकता सर्वोपरि है। कार्यक्रम में मौजूद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' किसी राजनीतिक दल का मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रहित, सुशासन, जनकल्याण और सार्वजनिक संसाधनों के बेहतर उपयोग से जुड़ा राष्ट्रीय विषय है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और चुनाव लोकतंत्र का महत्वपूर्ण पर्व हैं, लेकिन लगातार चुनावी प्रक्रिया चलने से शासन और विकास कार्यों पर इसका प्रभाव पड़ता है।

इस अवसर पर योग गुरु रामदेव ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के समर्थन में कई महत्वपूर्ण तर्क रखे। उन्होंने कहा कि भारत में सालभर कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं और चुनाव प्रक्रिया से विकास योजनाओं के साथ-साथ शिक्षा व्यवस्था पर भी असर पड़ता है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रवींद्रपुरी ने कहा कि देश की आजादी के बाद शुरुआती दशकों में लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ होने की व्यवस्था थी लेकिन बाद में अलग-अलग परिस्थितियों में राज्यों की विधानसभाओं के कार्यकाल और चुनाव का क्रम अलग होता गया।

संडेज ऑन साइकिल

केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने रविवार को विशाखापट्टनम में फिट इंडिया की 'संडेज ऑन साइकिल' पहल के तहत ब्रिक्स सदस्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ साइकिल चलाई।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नव सुभाषित

एथेनोल हुआ है सस्ता,
पेट्रोल का चक्कर छोड़ो।
बहुमत आगे गणित फेल सब,
गिनना अक्कर- बक्कर छोड़ो।
कड़वाहट हो मन में ही यदि,
तो रिश्तों की शक्कर छोड़ो।
हार मान ली बिना लड़े ही,
तो फिर झूठी टक्कर छोड़ो।।

डीजीसीए के पूर्व उड़ान प्रशिक्षण निदेशक, विमानन कंपनियों के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक पूर्व अधिकारी और विमानन क्षेत्र से जुड़ी कई कंपनियों के खिलाफ आधिकारिक पद के कथित दुरुपयोग, चुनिंदा उड़ान प्रशिक्षण संगठनों को अनुचित लाभ पहुंचाने और विमानों के संदिग्ध खरीद फरोख्त मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

प्राथमिकी में नामजद पूर्व डीजीसीए अधिकारी या कंपनियों की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

सीबीआई की प्राथमिकी के अनुसार, जांच में डीजीसीए में उड़ान प्रशिक्षण निदेशक रहे कैप्टन अनिल गिल के करीबी और दूर के रिश्तेदारों द्वारा नियंत्रित और संचालित कंपनियों के एक व्यवस्थित नेटवर्क का पता चला। प्राथमिकी के मुताबिक, ब्लूथ्रोट एयरो ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना 2016 में हुई थी और इसमें गिल की मां तथा एक अन्य रिश्तेदार निदेशक थीं। बाद में उनके दो अन्य रिश्तेदार भी कंपनी से जुड़ गए। प्राथमिकी के अनुसार दो अन्य कंपनियां–सबर्स कॉरपोरेट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और सैंडहिल्स एविएशन आईएफएससी प्राइवेट लिमिटेड–भी स्थापित की गई थीं जिनमें गिल के रिश्तेदार निदेशक थे। मामला शुक्रवार को गिल, ब्लूथ्रोट एयरो ग्लोबल, रेडबर्ड एविएशन एकेडमी प्राइवेट लिमिटेड, सबर्स कॉरपोरेट सॉल्यूशंस और सैंडहिल्स एविएशन आईएफएससी के अलावा

अज्ञात सरकारी अधिकारियों तथा निजी व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज किया गया। सीबीआई के अनुसार, यह मामला सीबीआई की दिल्ली में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा को 17 अगस्त को मिली एक शिकायत के बाद दर्ज किया गया। सीबीआई के अनुसार, शिकायत सात अप्रैल, 2025 को दर्ज प्रारंभिक जांच पर आधारित थी जो ग्लोबल एविएनॉटिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक कैप्टन जे. एस. ढिल्लों की ओर से गिल के खिलाफ की गई शिकायत पर दर्ज की गई थी। इसके लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत आवश्यक मंजूरी ली गई थी।

लोकतंत्र की ताकत ने मेरे जैसे आम आदमी को मुख्यमंत्री बनने का मौका दिया : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी निजी राजनीतिक यात्रा का उदाहरण देते हुए कहा कि यह भारत के लोकतंत्र और संविधान की ताकत का प्रमाण है, जो एक सामान्य व्यक्ति को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों तक पहुंचने में सक्षम बनाता है। नागपुर में 'जेन–जी' के लिए आयोजित 'मंथन 4 युवा' कार्यक्रम में सवाल–जवाब सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने युवाओं को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

यह कार्यक्रम आगामी चुनावों से पहले राजनीतिक दलों द्वारा जेन–जी मतदाताओं तक पहुंच बनाने के प्रयास तेज किए जाने के बीच एक बड़े जनसंपर्क अभियान के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 'स्टार्टअप इकोसिस्टम' के लिए नीति तैयार की है, कोष स्थापित किया है, 'इन्क्यूबेशन' केंद्र बनाए हैं और अब उनका विकेंद्रीकरण किया जा रहा है। युवाओं के राजनीति में रुचि दिखाने और मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर फडणवीस ने कहा, यह आसान नहीं है। हमारे संविधान ने इस देश में लोकतंत्र दिया है। इस लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि देवेंद्र फडणवीस जैसा व्यक्ति, जिसने शायद कभी नगर निगम पार्षद बनने की भी कल्पना नहीं की थी, मुख्यमंत्री के पद तक पहुंच गया या गुजरात में रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाला एक लड़का देश का प्रधानमंत्री बन गया। उन्होंने कहा, ''यह भारत के संविधान की ताकत है, भारत के लोकतंत्र की शक्ति है और यही देश के युवाओं की ताकत है।'' फडणवीस ने कहा, ''जब मैंने राजनीति में प्रवेश किया तो मैं केवल विचारों से प्रेरित था। उस समय मेरे पास जो विचार थे और जिस पार्टी में मैं काम करता था, उससे ऐसा नहीं लगता था कि कभी सत्ता में आएगी। हम सोचते थे कि हम विपक्ष में राजनीति करने के लिए ही पैदा हुए हैं। हम हर दिन आंदोलन करते थे।

कनॉट प्लेस में आरक्षण-विरोधी प्रदर्शन, कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के कनॉट प्लेस के आउटर सर्कल में रविवार को जाति–आधारित आरक्षण के खिलाफ और इस व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर करीब 300 लोग जमा हुए, जिनमें से 20 से अधिक लोगों को हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां ले रखी थी। उन्होंने आरक्षण एवं सरकारी मदद के लिए पात्रता तय करते समय आर्थिक मानदंडों को महत्व देने की मांग करते हुए नारेबाजी की। उनकी दलील थी कि मदद जाति से परे, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक पहुंचनी चाहिए। पुलिस ने बताया कि बिना अनुमति कनॉट प्लेस पर जमा हुए 20 से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर वहां से हटा दिया गया। प्रदर्शनकारियों को हटाने के वक्त मौके पर पुलिस बल की भारी मौजूदगी रही।

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग क्रीमी–लेयर' का नियम लागू करने और मौजूदा आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा करने की है। प्रदर्शनकारियों ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों से संबंधित नीतियों में बदलाव की भी मांग की। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, हम आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं। हम आरक्षण में सुधार चाहते हैं। सरकार को यह समझना चाहिए कि सभी समुदायों के गरीब लोगों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है और उनकी चिंताओं को सुना जाना चाहिए। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा कि मौजूदा प्रणाली की जांच की जानी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इसके लाभ उन लोगों तक पहुंचें, जिन्हें वास्तव में मदद की जरूरत है।

प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के ढांचे और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने उन नीतियों की व्यापक समीक्षा की मांग की, जिनका शिक्षा और रोजगार के अवसरों पर असर पड़ता है। यह प्रदर्शन उस लामबंदी का हिस्सा है जो मुख्य रूप से सोशल मीडिया के ज़रिये हुई है। 'आरक्षण हटाओ आंदोलन' नाम के इंस्टाग्राम पेज के करीब 56 लाख अनुसरणकर्ता (फॉलोअर) हैं। इस मंच ने आरक्षण में सुधारों को लेकर एक ऑनलाइन अभियान चलाने के बाद अपने फॉलोअर्स' से दिल्ली में एक आयोजित प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की थी। दो दिन पहले, इस मंच के आह्वान पर सैकड़ों लोग जंतर–मंतर पर जमा हुए थे। पुलिस ने कार्यक्रम स्थल पर एकत्र होने के बाद कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया, जबकि उसी बैनर के तहत 500 समर्थकों के साथ रामलीला मैदान में शाम चार बजे तक प्रदर्शन की पुलिस अनुमति दी गई थी।

राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन आज से, केंद्रीय गृह मंत्री शाह होंगे शामिल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार से शुरू होने जा रहे दो–दिवसीय राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन' में हिस्सा लेंगे। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े समसामयिक मुद्दों और चुनौतियों पर चर्चा होगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि देश भर की विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस के 850 से अधिक अधिकारी 'हाइब्रिड' प्रारूप (ऑनलाइन और आमने–सामने) में होने वाले इस सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। अधिकारियों ने बताया कि नौवीं राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन 'हाइब्रिड' स्वरूप में आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रतिभागी व्यक्तिगत रूप से और वीडियो कांफ्रेंस दोनों तरीके से शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के दौरान अधिकारी राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विभिन्न समसामयिक मुद्दों और चुनौतियों पर विचार–विमर्श करेंगे।

मैंने कभी सज्जन कुमार को 'रोल मॉडल' नहीं कहा : आलोचना के बाद दीपेंद्र हुड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम (हरियाणा)/भाषा। सज्जन कुमार को कथित तौर पर रोल मॉडल' बताये जाने को लेकर आलोचना का सामना कर रहे रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने रविवार को कहा कि उन्होंने कभी ''रोल मॉडल'' शब्द का इस्तेमाल नहीं किया और न ही उनकी ऐसी कोई भावना थी। वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कांग्रेस के सांसद रह चुके सज्जन कुमार का बृहस्पतिवार को 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था।

कुमार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दीपेंद्र हुड्डा ने इसे देश के राजनीतिक परिदृश्य के लिए ''क्षति'' बताया था। उन्होंने पूर्व सांसद के लोगों से जुड़ाव और दिल्ली के विकास में ''योगदान'' की भी सराहना की थी। हुड्डा की इस टिप्पणी पर खासकर पंजाब में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आईं। शिरोमणि अकाली दल, भाजपा और आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस पर ''सिख विरोधी मानसिकता'' रखने का आरोप लगाया।

जब पत्रकारों ने दीपेंद्र हुड्डा से पूछा कि ''क्या उन्होंने कुमार को 'रोल मॉडल' बताया था, तो रोहतक के सांसद ने कहा, मैंने इन शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया और न ही मेरी ऐसी कोई भावना थी।'' हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बेटे दीपेंद्र हुड्डा ने कहा, ''जो लोग भाईचारे की भावना को कमजोर करके राजनीति करना चाहते हैं, वे ये शब्द मेरे मुंह में डाल रहे हैं।'' उन्होंने कहा, मेरा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। जो लोग मुझे जानते हैं, वे जानते हैं कि मेरा कभी किसी को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं रहा है।'' दीपेंद्र हुड्डा ने कहा, ''जहां तक सिख समुदाय की बात है, लोग जानते हैं कि हम हमेशा उनके साथ खड़े रहे हैं और हर तरह से उनका समर्थन किया है।

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर में लौटी शांति, तेज हुआ विकास : जितेंद्र सिंह

श्रीनगर/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के केंद्र में सत्ता संभालने के बाद जम्मू–कश्मीर के लोगों की सोच में व्यापक बदलाव आया है। सिंह ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संगठनात्मक बैठक से इतर संवाददाताओं से कहा, ''जम्मू–कश्मीर में लोगों की सोच में पूर्वोत्तर की तरह ही पूरी तरह बदलाव आया है। यह बदलाव 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद हुआ।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल की शुरुआत के बाद से यहां का माहौल बदल गया है। शांति कायम है और सामान्य स्थिति लौट रही है। विकास कार्य भी तेजी से हो रहे हैं।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले तीन दशकों में हिंसा के कारण कई पीढ़ियों को खोने के बाद अब जम्मू–कश्मीर के युवाओं में आगे बढ़ने की आकांक्षा पैदा हुई है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में यूपीएससी और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में उनका प्रदर्शन इसका प्रमाण है।''सिंह ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में हिंसा के दौरान भाजपा के कई कार्यकर्ताओं ने अपनी जान गंवाई, लेकिन वह भाग्यशाली हैं कि जीवित बचे और अब जम्मू–कश्मीर के लोगों की सोच में आया बदलाव देख पा रहे हैं।

राहुल युवाओं के मन को अपनी दूषित मानसिकता से विषाक्त न करें: विहिप

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मनुस्मृति संबंधी टिप्पणी और छात्राओं से पितृसत्ता को ध्वस्त करने की अपील करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की रविवार को आलोचना की। विहिप ने राहुल गांधी से कहा कि वह युवाओं के मन को अपनी दूषित मानसिकता से विषाक्त न करें। विहिप ने गांधी से सवाल किया कि क्या वह अन्य धर्मों के ग्रंथों में महिलाओं के बारे में कही गई बातों को भी सार्वजनिक रूप से उद्धृत करने का साहस दिखाएंगे।

गांधी ने पुणे में 'छात्रों की गूंज' जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान छात्राओं से बातचीत करते मनुस्मृति के एक श्लोक का उल्लेख किया था जिसमें कहा कि बचपन में महिला को पिता, युवावस्था में पति और पति की मृत्यु के बाद पुत्रों के अधीन रहना चाहिए। गांधी ने कहा कि महिलाएं स्वयं के अधीन हैं और अपने पिता, पति या पुत्रों के नहीं। उन्होंने मनुस्मृति में जीवन के प्रत्येक चरण में महिला को उसके पुरुष रिश्तेदारों के अधीन रहने की व्यवस्था को शर्मनाक बताया। इन टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने पोस्ट में कहा, राहुल गांधी जी, मनुस्मृति के एक श्लोक को उसके संदर्भ और अर्थ को समझे बिना चुनकर हिंदू समाज को कठघरे में खड़ा करना आपके लिए बहुत आसान है... देश के युवाओं के निर्मल मन को अपनी दूषित मानसिकता से विषाक्त न करें।

केरलम में ओणम का सप्ताह भर चलने वाला उत्सव आज से शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरलम में ओणम का सप्ताह भर चलने वाला उत्सव सोमवार से शुरू होगा। मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन यहां कनकाकुन्नू स्थित निशागांधी सभागार में राज्य स्तरीय समारोह का उद्घाटन करेंगे।

मुख्यमंत्री 24 अगस्त को शाम साढ़े पांच बजे समारोह का उद्घाटन करेंगे। रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि पर्यटन, संस्कृति एवं सिनेमा मंत्री पी. सी. विष्णुनाथ कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जबकि अभिनेता कुंचाको बोबन मुख्य अतिथि होंगे।

उद्घाटन समारोह में स्वास्थ्य एवं देवस्वोम मंत्री के. मुरलीधरन, परिवहन मंत्री सी. पी. जॉन, विपक्ष के नेता पिनराई विजयन, महापौर वी. वी. राजेश और कांग्रेस सांसद शशि थरूर समेत कई अन्य लोग शामिल होंगे।

निशागांधी सभागार में शाम सात बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। इसमें अभिनेत्री शोभना नृत्य प्रस्तुति देंगी जिसके बाद के. एस. हरिशंकर का लाइव संगीत कार्यक्रम होगा।

मुंबई में गणेश प्रतिमा गिरने से दो लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। दक्षिण मुंबई में स्थापना के लिए ले जाई जा रही भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और दो बच्चों समेत पांच अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, हादसा शनिवार रात करीब 10 बजे भुलेश्वर के जय अंबे चौक स्थित कबूतरखाना के पास बलराम मर्चेंट रोड पर हुआ। एक स्थानीय अधिकारी ने बताया कि प्रतिमा को भुलेश्वर ले जाया जा रहा था, तभी अचानक वह गिर गई। हादसे में घायल लोगों को तत्काल पास के अस्पतालों में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस, एम्बुलेंस सेवा और स्थानीय वार्ड कर्मचारी मौके पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मृतकों की पहचान संकेत नावशे (33) और बृजेश हेमंत जोशी (30) के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, घायलों में वैभव घेणंद (38), पवन चौरसिया (25), लावण्या गानर (पांच), दिव्या गानर (सात) और कुणाल काशिद (26) शामिल हैं। सभी का उपचार किया जा रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई गई है। दस दिवसीय गणेशोत्सव इस वर्ष 14 सितंबर से शुरू होगा। यह मुंबई और महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में मनाए जाने वाले सबसे बड़े वार्षिक त्योहारों में से एक है। उत्सव के दौरान भगवान गणेश की प्रतिमाएं पंडालों और घरों में स्थापित कर पूजा–अर्चना की जाती है। मुंबई में हर साल भव्य शोभायात्राएं भी निकाली जाती हैं, जिनमें श्रद्धालु संगीत, ढोल–ताशों और बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के बीच विभिन्न पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं लेकर पहुंचते हैं।

पिकनिक स्थल पर हादसा, दो शिक्षकों और एक छात्र की डूबने से मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रतलाम/भाषा। मध्यप्रदेश के रतलाम शहर के पास रविवार को एक पिकनिक स्थल पर पानी से भरे कुंड में डूबने से दो शिक्षकों और एक छात्र की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य विद्यार्थियों को बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) सत्येंद्र घनघोरिया ने बताया कि जावरा कस्बे के एक निजी विद्यालय के चार शिक्षकों और 13 विद्यार्थियों का दल रतलाम शहर से 11 किलोमीटर दूर पैराडाइज वैली में पिकनिक मनाने आया था।

उन्होंने बताया कि इस जगह झरने के नीचे पानी से भरे कुंड में नहाने के दौरान दल में शामिल कुछ लोग डूबने लगे। घनघोरिया ने बताया कि मौके पर मौजूद लोगों ने तीन विद्यार्थियों को समय रहते बाहर निकाल लिया, जबकि दो शिक्षकों और एक छात्र की पानी में डूबने से मौत हो गई।

विशाखापत्तनम बैठक में ब्रिक्स देशों के खेल मंत्रियों ने संयुक्त घोषणा अपनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) देशों के खेल मंत्रियों ने रविवार को भारत की अध्यक्षता में हुई बैठक में 'स्पोर्ट ज्वाइंट डिक्लेरेशन' (खेल संबंधी संयुक्त घोषणा) को अपनाया जिसमें सदस्य देशों ने संवाद, आपसी सम्मान और समावेशिता के जरिए खेलों में सहयोग मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने ब्रिक्स देशों के बीच खेल साझेदारी विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, ''यह साझेदारी केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के आदान–प्रदान, संयुक्त प्रतियोगिताओं तथा खेल विज्ञान से जुड़ी जानकारी साझा करने के लिए ठोस मंच तैयार किए जाने चाहिए।''

मांडविया ने कहा, हमें ऐसी ब्रिक्स खेल साझेदारी बनानी चाहिए, जो घोषणाओं से आगे बढ़कर खेल सहयोग के लिए ठोस मंच तैयार करे। इसमें खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का आदान–प्रदान, संयुक्त प्रतियोगिताएं और खेल विज्ञान से जुड़ी जानकारी साझा करना शामिल हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत अपने खेल तंत्र में व्यापक बदलाव ला रहा है। मांडविया ने वैश्विक कंपनियों और निवेशकों का आह्वान करते हुए कहा, हम वैश्विक निर्माताओं, प्रौद्योगिकी कंपनियों और निवेशकों को मेक इन इंडिया, प्ले इन इंडिया और ग्रो विद इंडिया (भारत में निर्माण और भारत के साथ विकास) के लिए आमंत्रित करते हैं। खेल मंत्री ने खेलों को अधिक समावेशी बनाने की भारत की प्रतिबद्धता भी दोहराई। उन्होंने दिव्यांग खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और महिलाओं की खेलों में भागीदारी बढ़ाने के लिए नए अवसर तैयार करने पर जोर दिया। बैठक में खेलों में सहयोग बढ़ाने के लिए तीन प्रमुख पहलों को आगे बढ़ाया गया। इनमें ब्रिक्स खेल प्रौद्योगिकी कार्यसमूह, ब्रिक्स खेल विनिर्माण सम्मेलन तथा ब्रिक्स पारंपरिक एवं स्वदेशी खेल प्रदर्शन प्रतियोगिता–2026 शामिल हैं।

गति के लिए जड़ों से जुड़ाव जरूरी : डा. विश्वनाथ त्रिपाठी

नई दिल्ली/भाषा। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के परम शिष्य डॉ विश्वनाथ त्रिपाठी ने उनकी जयंती पर उन्हें याद करते हुए कहा कि हम वर्तमान में परंपरा को छोड़कर आधुनिकता की तरफ नहीं बढ़ सकते। डा. त्रिपाठी, आचार्य द्विवेदी की 120वीं जयंती पर आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा शनिवार को साहित्य अकादेमी में आयोजित हजारी प्रसाद द्विवेदी के ऐतिहासिक गल्प में कल्प–सृष्टि विषय पर आयोजित व्याख्यान के दौरान छात्रों एवं साहित्य प्रेमियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंडित जी शव साधना की बात करते थे। उन्होंने कहा, शव साधना क्या है। शव जो है वह हमारा अतीत है और उसे वर्तमान से जोड़कर ही हम भविष्य को देख सकते हैं। उनके पूरे साहित्य में वह कहते थे कि हमारा एक पैर अतीत में, तो दूसरा पैर भविष्य की ओर बढ़ता है। हम वर्तमान में परंपरा को छोड़कर आधुनिकता की तरफ नहीं बढ़ सकते। परंपरा एवं इतिहास हमें देखना होगा, तभी हम आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में पुष्पित–पल्लवित होने और प्रगति करने के लिए अपनी जड़ों से जुड़ा होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छोटी–मोटी असफलताओं से घबराने की जरूरत नहीं, क्योंकि असफलताएं भी कभी–कभी बड़ी सफलता की नींव बन जाती हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता जामिया मिलिया इस्लामिया के प्रो. नीरज कुमार ने कहा कि आचार्य द्विवेदी जी घटना के नहीं, घटमान के साहित्यकार थे।

नेहरू से मोदी तक : प्रधानमंत्रियों की रसोई और खाने की मेज की झलक प्रदान करती किताब

नई दिल्ली/भाषा। एक प्रधानमंत्री की थाली उन चीजों का खुलासा कर सकती है, जो किसी राजनीतिक जीवनी से सामने नहीं आ सकता।

पत्रकार पुरबी श्रीधर और संघिता सिंह की किताब 'द प्राइम मिनिस्टर'स टेबल' में भोजन, पारिवारिक किस्सों और रसोई से जुड़ी यादों के जरिए जवाहरलाल नेहरू से लेकर नरेन्द्र मोदी तक भारत के प्रधानमंत्रियों के निजी जीवन के पहलुओं को सामने लाने की कोशिश की गई है। 'मंजुल पब्लिशिंग हाउस' द्वारा प्रकाशित इस किताब में प्रधानमंत्रियों की रसोई और भोजन की मेज तक पहुंचकर यह जानने की कोशिश की गई है कि वे क्या खाते थे, मेहमानों की मेजबानी कैसे करते थे, किन व्यंजनों को पसंद करते थे और पद की चकाचौंध से दूर उनके जीवन को किन रिश्तों ने आकार दिया। मसलन, इंदिरा गांधी को अपने चिकित्सक के साथ अंताक्षरी' खेलते हुए याद किया गया है, जबकि मनमोहन सिंह विदेश में रहने के शुरुआती वर्षों के दौरान अपनी पत्नी की बर्तन धोने में मदद करते थे। अटल बिहारी वाजपेयी की ताज महल होटल में

सुनहरे रंग के तले हुए झींगों और लखनऊ की चाट के प्रति पसंद का भी किताब में जिक्र है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भाजपा के एक स्थानीय कार्यकर्ता की पत्नी को अच्छी साबूदाना खिचड़ी' बनाना सिखाने का प्रसंग भी इसमें शामिल है। किताब की लेखिकाओं में से एक ने कहा, क्या प्रधानमंत्री केवल प्रमुख राजनीतिक हस्तियां हैं? उनके राजनीतिक और सार्वजनिक व्यक्तित्व से परे क्या है, यह मेरे लिए दिलचस्प विषय था।

तमिलनाडु सरकार के मंत्री ने विधायकों को कार देने के फैसले का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु के मंत्री आर. निर्मल कुमार ने सभी विधायकों को सरकारी कार और उससे जुड़े भत्ते देने के राज्य सरकार के फैसले का रविवार को बचाव किया और कहा कि विपक्षी विधायक इन वाहनों को इसलिए ठुकरा रहे हैं, क्योंकि वे इसे छोटा लक्ष्य मानते हैं। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने विधानसभा में घोषणा की थी कि प्रत्येक विधायक को सरकारी कार दी जाएगी। इसके अलावा ईंधन और रखरखाव के लिए हर महीने 75,000 रुपये तथा सहायक के खर्च के लिए 25,000 रुपये का भत्ता दिया जाएगा।

ऊर्जा संसाधन एवं कानून मंत्री कुमार ने दावा किया, जो लोग विधायक बनने के लिए 30 या 40 करोड़ रुपये खर्च कर चुके हैं, उनके लिए एक कार कोई बड़ी बात नहीं है। उनके लिए यह छोटा लक्ष्य है। उन्होंने सभी 234 विधायकों को सरकारी वाहन और भत्ते देने के फैसले का बचाव किया। इससे सरकार पर करीब 200 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आने का अनुमान है। अब तक द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक), पट्टाली मक्कल कच्ची (पीएमके) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के विधायकों ने राज्य पर बढ़ते कर्ज का हवाला देते हुए सरकार की ओर से दिए जाने वाले वाहन और भत्ते लेने से इनकार किया है।

कुमार ने कहा कि नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए अपने विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करने और लोगों की समस्याओं को सीधे समझने के लिए सरकारी वाहन जरूरी हैं। मुथंगुलम गांव में पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने सरकारी कारों का विरोध करने वाले विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कई मौजूदा और पूर्व विधायकों के पास कई निजी वाहन हैं, लेकिन वे दूरदराज के गांवों में शायद ही कभी जाते हैं। उन्होंने सवाल किया, अगर कोई निर्वाचित प्रतिनिधि पांच या दस साल तक अपने क्षेत्र के किसी गांव में कदम ही नहीं रखता, तो उसके पास 10 या 15 निजी कारें होने का क्या फायदा है? उन्होंने विपक्ष के इस आरोप को भी खारिज किया कि राज्य सरकार विपक्षी विधायकों और पूर्व मंत्रियों से बदला ले रही है।

कुमार ने कहा, लोगों ने उन्हें वोट न देकर पहले ही उनसे बदला ले लिया है। इसलिए उनके खिलाफ बदला लेने की कोई जरूरत नहीं है। अगर भ्रष्टाचार है या कोई गलत काम हुआ है तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों और कानूनी कार्रवाई में ठोस सबूतों और अदालत के निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाता है। मंत्री ने मुथंगुलम गांव के लिए नई सरकारी बस सेवा को रवाना करने के दौरान ये बातें कहीं। यह गांव तिरुप्पुवनम विधानसभा क्षेत्र में आता है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन की कमी के कारण पहले 250 से अधिक परिवारों को गांव छोड़कर जाना पड़ा था। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा और आवागमन की समस्याओं के कारण कई छात्राओं ने आठवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। कुमार ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के मदुरै के तत्काल दौरे की खबरों को भी खारिज किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा का सत्र चल रहा है और मुख्यमंत्री के मदुरै दौरे का अभी कोई कार्यक्रम तय नहीं हुआ है।

तमिलनाडु सरकार ने छात्र प्रदर्शन पर रोक का परिपत्र जारी करने वाले अफसरों से स्पष्टीकरण मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में डायरेक्टोरेट आफ कॉलेजिएट एजुकेशन ने शनिवार को संयुक्त निदेशक पी. सिंतिया सेल्वी से एक विवादित परिपत्र जारी करने के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा।

इस परिपत्र में पूर्व विभागीय मंजूरी के बिना राजनीतिक प्रदर्शनों में भाग लेने वाले छात्रों की जानकारी एकत्र करने का निर्देश दिया गया था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस बीच, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने राज्य के सभी जिला मुख्यालयों और शैक्षणिक केंद्रों पर प्रदर्शन किए और आरोप लगाया कि सरकार निचले स्तर के अधिकारियों को '2बलि का बकरा'' बनाकर इस मुद्दे को दबाने की कोशिश कर रही है। सूत्रों ने बताया कि कॉलेजिएट एजुकेशन आयुक्त पी. पोनैया ने नोटिस जारी करके सेल्वी को एक सप्ताह के भीतर औपचारिक जवाब देने का निर्देश दिया है। उनसे स्पष्ट करने को कहा गया है कि राज्य संचालित संस्थानों को भेजा गया परिपत्र किन परिस्थितियों में तैयार और जारी किया गया।

पोंगल पर नहीं होगी देरी, राशन कार्डधारकों को समय पर मिलेगी धोती-साड़ी : तमिलनाडु के मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। तमिलनाडु सरकार ने अगले साल पोंगल के अवसर पर राशन कार्डधारकों को मुफ्त धोती और साड़ी वितरण योजना जारी रखने की मंजूरी दे दी है। योजना के तहत उत्पादन जल्द शुरू होगा और इसके लिए निविदा प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मंत्री एम. विजय बालाजी ने शनिवार को यह जानकारी दी। 'इरोड कॉर्पोरेशन' बस पड़ाव का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से तमिलनाडु के हथकरघा, कपड़ा और खादी मंत्री ने कहा कि उत्पादन को आसान बनाने के लिए पहले ही सरकारी मिलों से प्राप्त धागे की आपूर्ति स्थानीय सहकारी समितियों को की जा चुकी है।

उन्होंने कहा, मुफ्त धोती और साड़ी योजना के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और धागे की खरीद शुरू हो गई है। बुनकरों को लगातार रोजगार उपलब्ध कराने के लिए समितियों को धागा दिया गया है। पिछले साल की तरह इस बार कोई देरी नहीं होगी। मुफ्त धोती और साड़ियां तय समय पर वितरित की जाएंगी, जिससे बुनकरों को समय पर मजदूरी मिल सकेगी। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने इस योजना के लिए शुरुआती आवंटन के तौर पर 300 करोड़ रुपये जारी किए हैं। जुलाई में जारी एक सरकारी आदेश में योजना के क्रियान्वयन की अनुमानित लागत 642.88 करोड़ रुपये बताई गई थी। इसमें कहा गया था कि वर्ष 2026-27 के बजट अनुमान में योजना के लिए आवंटित 606.94 करोड़ रुपये में से पहली किस्त के रूप में 300 करोड़ रुपये की वित्तीय मंजूरी दी गई है।

शिक्षक संगठन ने छात्रों के प्रदर्शन पर लगी पाबंदियां हटाने को नुकसान की भरपाई की 'कोशिश' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छात्रों की राजनीतिक प्रदर्शनों में भागीदारी पर रोक लगाने और कार्रवाई संबंधी रिपोर्ट मांगने वाले निर्देश को वापस लिए जाने को शिक्षक संगठनों और शिक्षा अधिकार निकायों ने महज नुकसान की भरपाई की ''कोशिश'' करार दिया है। राज्य सरकार ने इस निर्देश के संबंध में कॉलेजिएट शिक्षा की संयुक्त निदेशक सिंथिया सेल्वी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। शिक्षक संगठन ने नोटिस को तत्काल वापस लेने की मांग की है।

तमिलनाडु गवर्नमेंट कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन के महासचिव एस. सुरेश ने 22 अगस्त को जारी एक बयान में निर्देश को लेकर सिंथिया सेल्वी को दिए गए कारण बताओ नोटिस पर आपत्ति जताई। उन्होंने सवाल उठाया कि केवल संयुक्त निदेशक को ही निशाना बनाकर जवाबदेह क्यों ठहराया जा रहा है, जबकि वह उच्च अधिकारियों के निर्देश पर जारी प्रशासनिक आदेशों को लागू कर रही थीं। ये निर्देश 28 जुलाई को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय कानून-व्यवस्था बैठक में लिए गए फैसलों के बाद जारी किए गए थे।

बैठक में स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और पुलिस विभागों के साथ-साथ जिला प्रशासन के बीच समन्वय बढ़ाने की बात कही गई थी, ताकि छात्रों और युवाओं को वामपंथी दलों तथा अन्य संगठनों द्वारा आयोजित प्रदर्शनों और आंदोलनों में भाग लेने से रोका जा सके।

चालू वित्त वर्ष के अंत तक स्वर्ण ऋण पोर्टफोलियो 1.5 लाख करोड़ रु.के पार होगा: इंडियन बैंक एमडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक को उम्मीद है कि उत्पाद की मजबूत मांग के कारण उसका स्वर्ण ऋण पोर्टफोलियो चालू वित्त वर्ष में 1.5 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर जाएगा। इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बिनोद कुमार ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा, स्वर्ण ऋण (गोल्ड लोन) बैंकों के लिए सुरक्षित कर्ज है। यह उपभोग के लिए लिया जाने वाला कर्ज नहीं है, बल्कि मुख्य रूप से आय बढ़ाने और छोटे कारोबार को बढ़ाने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में सोने की कीमतों में तेजी के कारण इस खंड में 30 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में वृद्धि की रफ्तार धीमी रहने की संभावना है क्योंकि सोने की कीमतों में 30 प्रतिशत की गिरावट आई है। कुमार ने कहा कि इस साल स्वर्ण ऋण खंड में करीब 20 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि फिलहाल बैंक का स्वर्ण ऋण पोर्टफोलियो करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये का है और अनुमानित वृद्धि दर के अनुसार चालू वित्त वर्ष में यह 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाना चाहिए।

कुमार ने बताया कि बैंक के कुल ऋण पोर्टफोलियो में खुदरा, कृषि और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) यानी (आरएएम) खंड की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है, जबकि शेष 35 प्रतिशत ऋण कॉरपोरेट क्षेत्र को दिया गया है। उन्होंने कहा कि बैंक आगे भी इस अनुपात को बनाए रखना चाहता है क्योंकि आरएएम खंड में वृद्धि की काफी संभावनाएं हैं। कृषि और एमएसएमई क्षेत्र में कारोबार बढ़ाने के लिए काफी अवसर हैं। देनदारी के बारे में कुमार ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में बैंक की चालू खाता बचत खाता (कासा) जमा में 15.30 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान बचत जमा 13.54 प्रतिशत और चालू खाता जमा 26.33 प्रतिशत बढ़ा। उन्होंने कहा कि बैंक के कम लागत वाले कासा जमा की कुल जमा में हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत है। कुमार ने कहा, ''कासा हमारे लिए अब भी चुनौती है, लेकिन कर्मचारियों के सहयोग से हमें इसमें प्रगति बनाए रखने की उम्मीद है। एक उत्साहजनक बात शाखाओं की बढ़ती भागीदारी है।''

उन्होंने कहा कि पिछले साल इसी अवधि में केवल 25-27 प्रतिशत शाखाएं अपने लक्ष्य हासिल कर पाई थीं, जबकि इस तिमाही में 51 प्रतिशत शाखाओं ने अपने लक्ष्य हासिल किए हैं। यह अच्छा संकेत है कि शाखाएं अब अधिक सक्रियता से भाग ले रही हैं। इंडियन बैंक ने अपनी गिफ्ट सिटी शाखा के माध्यम से वैश्विक निवेशकों को चार साल की अवधि के बॉन्ड जारी कर 40 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। बैंक ने ये बॉन्ड 18 अगस्त को जारी किए थे।

उदयनिधि ने टीवीके सरकार पर निशाना साधा, कावेरी डेल्टा के किसानों की अनदेखी का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तंजावुर। तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन ने राज्य में सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार पर रविवार को तीखा हमला बोलते हुए प्रशासनिक विफलता का आरोप लगाया। स्टालिन ने आरोप लगाया कि मेट्टूर बांध से पानी नहीं छोड़े जाने के कारण कावेरी डेल्टा क्षेत्र के किसान सूखे जैसे हालात का सामना कर रहे हैं। उदयनिधि एक विवाह समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार महिलाओं को हर महीने वित्तीय सहायता, रियायती रसोई गैस सिलेंडर और बेरोजगारी भत्ता देने जैसे प्रमुख चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है।

उन्होंने तंजावुर में किसानों की मांगों के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान अपनी हालिया गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि पुलिस ने अचानक सेंगिपट्टी थाने का रास्ता बदल दिया और हिरासत को लेकर अदालत में विरोधाभासी दलीलें दीं। उन्होंने आरोप लगाया कि जून, जुलाई और अगस्त में मेट्टूर बांध से पानी नहीं छोड़ा गया, जिससे पूरे डेल्टा क्षेत्र में कुरुवई (कम अवधि वाली फसल) की खेती प्रभावित हुई। उन्होंने सूखा से प्रभावित किसानों को राहत देने में विफल रहने और सामान्य राहत उपायों को लक्षित सूखा मुआवजे के तौर पर पेश करने को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की।

द्रमुक नेता ने सत्तारूढ़ दल के विधायकों के लिए महंगी कारें खरीदने के राज्य सरकार के फैसले की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार के पास किसानों का कर्ज माफ करने, महिलाओं को वादे के मुताबिक हर महीने 2,500 रुपये देने, मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर बांटने या बेरोजगारी भत्ता लागू करने के लिए धन नहीं है। उन्होंने दोहराया कि द्रमुक विधायकों ने सरकार की ओर से उपलब्ध कराए जाने वाले वाहनों को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया है। उदयनिधि ने राज्य प्रशासन को एक सरकार के बजाय ''सर्कस कंपनी'' करार देते हुए आरोप लगाया कि मंत्री विपक्ष के बिजली दरों में बढ़ोतरी और जनता की शिकायतों से जुड़े सवालों का जवाब देने के बजाय मुद्दे भटकाने और सोशल मीडिया पर वीडियो डालने में लगे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य की जनता जल्द ही मौजूदा सरकार को उचित सबक सिखाएगी।

तमिलनाडु सरकार ने छात्र प्रदर्शन पर रोक का परिपत्र जारी करने वाले अफसरों से स्पष्टीकरण मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदगमंडलम। तमिलनाडु वन विभाग ने नीलगिरि जिले में इस महीने दो लोगों की जान लेने वाले संदिग्ध आदमखोर बाघ को पकड़ने के प्रयास तेज कर दिए हैं। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

वन विभाग के कर्मियों ने बाघ को खोजने और पकड़ने के लिए तीन थर्मल ड्रोन तैनात किए हैं, रणनीतिक स्थानों पर छह पिंजरे लगाए हैं और जंगल के इलाकों में 50 कैमरा ट्रैप लगाए हैं।

बाघ की मौजूदगी से प्रभावित जंगल से सटे इलाकों में लगातार निगरानी और तलाश अभियान चलाने के लिए 80 से अधिक वनकर्मियों को दो विशेष दलों में तैनात किया गया है। गुडालूर क वन अधिकारी देवराज ने रविवार को स्थानीय लोगों को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

'केपीएससी घोटाला' मामला

आईएएस अधिकारी गंगवार के कर्नाटक, उप्र परिसरों पर ईडी की छापेमारी

बेंगलूरु/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) द्वारा आयोजित एक परीक्षा में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत रविवार को आईएएस अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार के बेंगलूरु और उत्तर प्रदेश के बरेली स्थित परिसरों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गंगवार भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 2016 बैच के अधिकारी हैं और वर्तमान में कर्नाटक के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) निदेशक के पद पर तैनात हैं। वह इससे पहले केपीएससी में परीक्षा नियंत्रक के पद पर कार्यरत थे और इस साल मार्च में उन्हें इस पद से हटाया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि गंगवार के बेंगलूरु के जयमहल इलाके और उत्तर प्रदेश के बरेली स्थित परिसरों में धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत छापे मारे गए। हालांकि, यह तत्काल पता नहीं चल सका कि केंद्रीय एजेंसी को अधिकारी इन परिसरों में मिले या नहीं। शनिवार को कुछ घंटों के लिए गंगवार के लापता होने की खबर सामने आने के बाद विवाद उत्पन्न हो गया था। बाद में कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने इन खबरों का खंडन करते हुए स्पष्ट किया कि गंगवार अपने पिता की तबीयत से जुड़ी पारिवारिक आपात स्थिति के कारण उत्तर प्रदेश स्थित अपने पैतृक स्थान गए हैं। खरगे ने कहा कि गंगवार के लापता होने और उनकी गैरमौजूदगी को केपीएससी में ईडी की छापेमारी से जोड़ने वाली खबरें गलत हैं। खरगे ने कहा कि उन्होंने अधिकारी से व्यक्तिगत रूप से बात की है और वह जल्द लौटेंगे। उन्होंने कहा, परिस्थितियों के कारण ऐसा निष्कर्ष निकला होगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। खरगे ने शनिवार को पत्रकारों से कहा था, परिस्थितियां भले ही केपीएससी से उनका संबंध होने का संकेत देती हों, लेकिन उन्होंने (गंगवार) स्पष्ट रूप से कहा है कि एक सरकारी कर्मचारी के तौर पर वह किसी भी एजेंसी की जांच के लिए तैयार हैं। फिलहाल उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं है और न ही किसी ने उनके खिलाफ जांच की मांग करते हुए आवेदन दिया है। यह बात पूरी तरह स्पष्ट होनी चाहिए। ईडी ने 18 अगस्त को इस मामले में पहली बार तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान बेंगलूरु स्थित केपीएससी के मुख्यालय के अलावा आयोग के पूर्व अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार, सदस्य शांता होसमणि और कुछ अन्य लोगों के परिसरों की भी तलाशी ली गई थी। यह जांच पशु चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती परीक्षा में कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन जांच के तहत की जा रही है। ईडी का आरोप है कि कुछ बिचौलियों ने शिकायतकर्ता समेत अभ्यर्थियों को फोन किया और चयन के लिए प्रति अभ्यर्थी 70 लाख से 80 लाख रुपये की रिश्वत मांगी। अधिकारियों ने कहा था कि इसके अलावा, एजेंसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने, ओएमआर उत्तर पुस्तिकाओं में हेरफेर करने और केपीएससी अधिकारियों के रिश्तेदारों को अंतिम चयन में मदद पहुंचाने के आरोपों की भी जांच कर रही है।

रामपुरा में विद्यालय भवन का निर्माण एक सितंबर से शुरू होगा, सरकार ने 18 लाख रुपये मंजूर किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने जयपुर जिले के सांगानेर प्रखंड के रामपुरा (कंवरपुरा) में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय के नए भवन का निर्माण एक सितंबर से शुरू करने की घोषणा की है। यह विद्यालय हाल ही में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के बीच हुए विवाद के बाद चर्चा में आया था। सरकार ने विद्यालय के नए भवन के लिए 18 लाख रुपये मंजूर किए हैं। इसमें 12 लाख रुपये जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) से तथा छह लाख रुपये विधायक कोष से मंजूर किए गए हैं।

यह घोषणा शनिवार देर रात की गई। इससे पहले शुक्रवार को कॉजपा की टीम अपने 'विद्यालय ठीक करो' अभियान के तहत गांव पहुंची थी, जहां ग्रामीणों से कथित टकराव के बाद टीम पर हमला किए जाने का आरोप लगाया गया था। घटना को लेकर दोनों पक्षों की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। सरकार की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए कॉजपा के सह-संस्थापक एवं प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि रामपुरा स्थित विद्यालय को लेकर पार्टी की तत्काल मांग पूरी हो गई है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों की स्थिति सुधारने का अभियान जारी रहेगा। रांका ने कहा, ''हम वहां वोट मांगने नहीं गए थे। हम विद्यालय भवन को ठीक कराने की बात करने गए थे। अब सरकार ने एक सितंबर से काम शुरू करने को मंजूरी दे दी है, इसलिए यह मुद्दा खत्म हो गया है।'' इसके पहले कॉजपा ने स्कूल भवन को ठीक कराने के लिए 48 घंटे की चेतावनी दी थी।

उन्होंने सवाल किया कि काम पहले क्यों शुरू नहीं किया जा सकता था और कहा कि कॉजपा की टीम के दौरे के दौरान हुई हिंसा का कोई औचित्य नहीं था। उन्होंने कहा, ''अगर सरकार वास्तव में बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित है तो विद्यालयों की मरम्मत कराए। हम लड़ने नहीं आए हैं, लेकिन न पीछे हटेंगे और न डरेंगे।'' रांका ने दावा किया कि रामपुरा स्थित विद्यालय को लेकर लिया गया फैसला कॉजपा के अभियान के प्रभाव को दर्शाता है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से सरकारी विद्यालयों का दौरा जारी रखने और जरूरत पड़ने पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने को कहा।

उन्होंने राजस्थान भर के विद्यालयों की मरम्मत के लिए सरकार से ठोस समयसीमा बताने की मांग करते हुए दावा किया कि करीब 3,000 स्कूल भवन जर्जर हालत में हैं और 611 स्कूल बिना भवन के संचालित हो रहे हैं। रांका ने कहा कि सरकार ने 31 मार्च को विद्यालय बुनियादी ढांचे के लिए 12,000 करोड़ रुपये की योजना की घोषणा की थी और दावा किया कि इसकी समयसीमा अब पांच साल से घटाकर तीन साल कर दी गई है। उन्होंने सरकार से यह भी बताने को कहा कि पिछले छह महीने में कितने विद्यालयों की मरम्मत हुई और अगले एक साल में किन विद्यालयों में काम प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि कॉजपा के सदस्य अब पश्चिमी राजस्थान के कुछ विद्यालयों, जिनमें जोधपुर भी शामिल है, का दौरा करेंगे और विद्यालय निरीक्षण अभियान जारी रहेगा।

राज्य सरकार के अनुसार, तकनीकी सर्वेक्षण के बाद सितंबर 2025 में रामपुरा स्थित विद्यालय के भवन को जर्जर घोषित कर दिया गया था और इसके बाद उसे उपयोग में नहीं लिया जा रहा था। सरकार के अनुसार, विद्यार्थियों को पास के बीलवा स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में स्थानांतरित करने का प्रारंभिक प्रस्ताव ग्रामीणों ने बच्चों की कम उम्र और आने-जाने में होने वाली परेशानी के कारण खारिज कर दिया था। इसके बाद ग्रामीणों ने कक्षाएं संचालित करने के लिए दो कमरे और टीन शेड उपलब्ध कराया। बाद में दो कमरों और बरामदे वाला अधिक उपयुक्त अस्थायी परिसर भी तैयार किया गया।

वर्तमान में स्कूल में 18 विद्यार्थी और दो शिक्षक हैं। शुक्रवार को कॉजपा की टीम विद्यालय का निरीक्षण करने रामपुरा (कंवरपुरा) पहुंची थी, तभी विवाद हुआ। कॉजपा ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने उसके सदस्यों पर हमला किया, जबकि ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बाहर से आई टीम ने उन्हें धमकाया और हंगामा किया। पुलिस ने शुक्रवार रात एक ग्रामीण और कॉजपा के एक सदस्य की शिकायत पर दोनों पक्षों के खिलाफ अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की थी।

दक्षिण अफ्रीका का 2026 में एक लाख भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने का लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दक्षिण अफ्रीकी पर्यटन के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) इस्माइल डॉकराट ने कहा कि युवा और नए अनुभवों की तलाश में रहने वाले पर्यटकों पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने 2026 में एक लाख भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है। जयपुर में हाल में हुई 'ब्रिक्स' (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) पर्यटन कार्य समूह की बैठक में शामिल होने आए डॉकराट ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, भारत हमारे सबसे महत्वपूर्ण विकास बाजारों में से एक है और 2026 में हमारा लक्ष्य एक लाख भारतीय पर्यटकों के आगमन तक पहुंचना है। इससे हम महामारी से पहले के स्तर के करीब पहुंच जाएंगे।

उन्होंने कहा कि 2025 में करीब 70,000 भारतीय पर्यटक दक्षिण अफ्रीका गए थे। अगले तीन वर्षों में एक लाख के आंकड़े से आगे निरंतर वृद्धि हासिल करने के लिए वीजा सुविधा और हवाई संपर्क को प्रमुख प्राथमिकता दी जा रही है। डॉकराट ने कहा, ''भारतीय पर्यटकों की पसंद में बड़ा बदलाव आया है। परिवार और समूह के साथ यात्रा का चलन कायम है, लेकिन अब रोमांच, अनुभव आधारित पर्यटन, डेस्टिनेशन वेडिंग, प्रोत्साहन यात्राओं और युवा पर्यटन की मांग भी बढ़ रही है। भारतीय पर्यटक खान-पान और वाइन, संस्कृति, खुद वाहन चलाकर यात्राएं करने तथा अनूठे वन्यजीव अनुभवों में रुचि दिखा रहे हैं।''

उन्होंने कि केपटाउन और जोहान्सबर्ग हमेशा मुख्य पड़ाव रहेंगे, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी पर्यटन भारतीय यात्रियों को देश की व्यापक विविधता खोजने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। विनलैंड्स, गार्डन रूट, क्वाज़ुलू-नताल और म्पुमालंगा के अलावा समुद्री, खान-पान, सांस्कृतिक और साहसिक पर्यटन पर भी जोर दिया जा रहा है।

डॉकराट ने राजस्थान को भी दक्षिण अफ्रीका के लिए महत्वपूर्ण उभरता बाजार बताया। उन्होंने कहा, राजस्थान और दक्षिण अफ्रीका में विरासत, वन्यजीव, विवाह और अनुभव आधारित पर्यटन को लेकर काफी समानताएं हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए वीजा और हवाई संपर्क सबसे बड़ी प्राथमिकता हैं जिसके लिए दक्षिण अफ्रीका ने 'ट्रस्टेड टूर ऑपरेटर स्कीम' शुरू की है और 'इलेक्ट्रॉनिक ट्रैवल ऑथराइजेशन' (ईटीए) के जरिए अधिक डिजिटल वीजा प्रक्रिया की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीधी हवाई सेवा शुरू करना भी उसके एजेंडे में है।

पर्यटन विभाग दिल्ली और मुंबई के अलावा अहमदाबाद, कोलकाता, पुणे, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहरों में प्रचार अभियान, कारोबारी संपर्क, प्रशिक्षण कार्यक्रम और रोड शो कर रहा है। डॉकराट ने कहा कि 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाला पुरुष क्रिकेट विश्व कप भारत से पर्यटकों को आकर्षित करने का बड़ा अवसर होगा। ब्रिक्स पर्यटन सहयोग पर उन्होंने कहा कि इसका लाभ केवल प्रचार तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यात्रा को आसान बनाने पर भी जोर होना चाहिए।

उन्होंने हवाई संपर्क, पर्यटन निवेश, कारोबार और सम्मेलन पर्यटन में सहयोग की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भविष्य में ब्रिक्स देशों के लिए साझा पर्यटक वीजा की संभावना तलाशी जा सकती है। हालांकि, वीजा नीति संबंधित देशों की सरकारों और आव्रजन अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आती है।

रैली

जयपुर में रविवार को राजस्थान युवा शक्ति मंच के कार्यकर्ताओं ने 'आक्रोश रैली' के तहत भगवा वाहन रैली निकाली।

चुनावी आचार संहिता के बीच देर रात शराब बिक्री के आरोप

जोधपुर। नगर निकाय चुनाव-2026 को लेकर आचार संहिता लागू होने के बीच शहर में देर रात तक शराब की कथित बिक्री को लेकर पुलिस एवं आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप सामने आ रहे हैं कि निर्धारित समय के बाद भी कुछ स्थानों पर शराब की बिक्री कथित रूप से जारी रहती है। ऐसे में सवाल यह है कि यदि संबंधित विभागों की टीमें नियमित निगरानी और गश्त कर रही हैं, तो निर्धारित समय के बाद शराब बिक्री कैसे हो रही है? गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर में निर्धारित समय के बाद शराब बिक्री के मामले में स्वत: संज्ञान ले चुका है। अदालत ने देर रात शराब बिक्री पर रोक लगाने के लिए औचक निरीक्षण, विशेष प्रवर्तन दल, वीडियोग्राफी और अन्य निगरानी व्यवस्थाओं को लेकर निर्देश दिए थे।

इसके बाद आबकारी विभाग की ओर से विशेष दल गठित कर रात के समय निरीक्षण और कार्रवाई की जानकारी भी सामने आई थी।अब चुनावी आचार संहिता के दौरान कथित रूप से देर रात तक शराब बिक्री के आरोप सामने आने से प्रशासन की जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रशासन को चाहिए कि शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर निर्धारित समय के बाद शराब बिक्री पाए जाने पर संबंधित लाइसेंसधारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करे। सवाल यह है कि आचार संहिता के दौरान जब प्रशासनिक निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है, तब देर रात शराब बिक्री की शिकायतों पर कितनी सख्ती से कार्रवाई हो रही है।

इथेनॉल मिलाने के फैसले से आम लोगों को नुकसान और चीनी की सप्लाई में रुकावट : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पेट्रोल में बड़े पैमाने पर इथेनॉल मिलाने को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह फैसला बिना पूरी तैयारी के लिया गया और इसके नतीजे आम लोगों को कई तरह से भुगतने पड़ रहे हैं। गहलोत ने कहा कि मोदी सरकार की दूरदर्शिता की कमी और गलत फैसलों का एक और उदाहरण पेट्रोल में बड़ी मात्रा में इथेनॉल मिलाने का फैसला है, जो बिना पूरी तैयारी के लिया गया। देश के लोगों को इस फैसले के नतीजे कई मोर्चों पर भुगतने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गन्ने का एक बड़ा हिस्सा चीनी बनाने के बजाय इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे बाजार में चीनी की उपलब्धता पर असर पड़ रहा है। गहलोत के अनुसार सिर्फ 15 दिनों में चीनी की कीमतें 14 से 17 रुपए प्रति किलो तक बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ महंगाई तक सीमित नहीं है। इथेनॉल मिलाने से गाड़ियों के इंजन खराब होने और माइलेज कम होने की शिकायतें भी आ रही हैं। उन्होंने कहा कि इससे आम ग्राहकों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है, जिन्हें ईंधन और गाड़ी के रखरखाव पर ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। गहलोत ने कहा कि यह आम आदमी की मेहनत

की कमाई को लूटने जैसा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जहां कुछ उद्योगपतियों और सरकार को इस सिस्टम से फायदा हो रहा है, वहीं आम नागरिकों को बढ़ती कीमतों का बोझ उठाना पड़ रहा है। गहलोत ने इथेनॉल उत्पादन से जुड़े वायु और जल प्रदूषण की शिकायतों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को इतनी बड़ी नीति लागू करने से पहले उचित योजना, आकलन और तैयारी करनी चाहिए थी। गहलोत ने कहा कि केंद्र सरकार ने पर्याप्त तैयारी किए बिना ऐसा निर्णय लिया है, और अब देश की जनता इसकी कीमत चुका रही है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि मोदी सरकार जनता का विश्वास खो चुकी है और इसलिए अपने निर्णयों के औचित्य के बारे में नागरिकों को समझाने में असमर्थ है। उन्होंने उपभोक्ताओं, चीनी की उपलब्धता, वाहन मालिकों और पर्यावरण पर इसके प्रभाव को ध्यान में रखते हुए इथेनॉल मिश्रण नीति की व्यापक समीक्षा की मांग की।

राजस्थान में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान और जापान के बीच वर्षों पुराना नाता है। ऐसे में, राज्य सरकार राजस्थान और जापान के बीच रत्न-आभूषण सहित अन्य उद्योगों के विकास के लिए रोडमैप बनाकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में जापानी जोन बनाकर विशेष सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिससे जापानी कम्पनियों को अनुकूल आधारभूत सुविधाएं सुलभ हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने रविवार को जापान के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर उद्योगों एवं निवेश को लेकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जयपुर ज्वैलरी एसोसिएशन और यामानाशी ज्वैलरी एसोसिएशन मिलकर तकनीक और निवेश के साथ रत्न-आभूषण व्यापार को और आगे लेकर जाएं, जिससे व्यापार बढ़ने के साथ ही रोजगार के भी ज्यादा से ज्यादा अवसर सृजित हों।

उन्होंने 2024 में अपने जापान दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि जापानी कम्पनियों ने राजस्थान में निवेश पर तीन से चार गुना फायदे पर आभार भी जताया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जापान के निवेशकों को राजस्थान में उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित करती है। बैठक में जापान के कोफू सिटी मेयर युइची हिगुची ने राजस्थान सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों और यहां उपलब्ध निवेश अवसरों की सराहना करते हुए कहा कि जापान की 180 कम्पनियां राजस्थान में कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर और कोफू सिटी के ज्वैलर्स मिलकर पूरी दुनिया में ज्वैलरी का बिजनेस कर रहे हैं। जयपुर की लगभग 60 कम्पनियां कोफू सिटी में ज्वैलरी का कार्य कर रही हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री और जापानी प्रतिनिधिमंडल ने राधे-राधे कहकर एक-दूसरे का अभिवादन किया।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, जयपुर ज्वैलरी एसोसिएशन के अध्यक्ष राजू अग्रवाल मंगोड़ीवाला, यामानाशी ज्वैलरी एसोसिएशन इंटरनेशनल कमेटी के चेयरमैन नवीन सोनकिया, कोशिन कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष काज़ुओ मात्सुमोटो, क्रिएट ताकानो कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष चिकारा यानागिमोटो, द यामानाशी चुओ बैंक लिमिटेड के वरिष्ठ सलाहकार नकाबा शिंदो, कोफू बिल्डिंग कंपनी लिमिटेड के चेयरमैन तेत्सुजी सकामोटो, कोफू सिटी उद्योग विभाग के महानिदेशक ताकेयासु तनाका, कोफू सिटी वाणिज्य एवं उद्योग प्रभाग के प्रबंधक सातोशी त्सुनोदा, ईगाडो कंपनी लिमिटेड के उपाध्यक्ष तादाओ शिमुरा, क्रॉसफोर कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष अकीहिको नाइतो, कोफू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रबंधक शिगेमासा सुज़ुकी, कोफू सिटी अंतरराष्ट्रीय संबंध प्रभाग के मेयर कार्यालय प्रबंधक शुनिची हागिहारा सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

मोदी सरकार ने आम आदमी से चीनी की मिठास तक छीन ली : जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि सत्ता में बैठे हुक्मरानों को लोकतंत्र में सवाल पूछने वाले नागरिक बिल्कुल पसंद नहीं हैं। जूली ने कहा कि जो स्थान भावी पीढ़ी में सवाल पूछने की क्षमता और चेतना विकसित करता है यानी हमारे विद्यालय, भाजपा सरकार जानबूझकर उसी शिक्षा व्यवस्था के प्रति घोर उदासीनता बरत रही है। अपनी नाकामियों पर जवाब देने के बजाय सरकार प्रश्न उठाने वालों को दिमागी नक्सल कहकर उनका दमन करने में जुटी है, ताकि उसे जनता के कटघरे वाले सवालों का उत्तर न देना पड़े।

जूली ने आगे कहाकि आज देश का युवा अपने अधिकारों को लेकर पूरी तरह जागरूक है और मोदी सरकार को युवाओं की यही मुखरता और वैचारिक चेतना रास नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी छात्रों की गूँज के जरिए लगातार उनके हक की आवाज बुलंद कर रहे हैं। राहुल गांधी और युवाओं के इस मजबूत गठबंधन ने भाजपा के शासकों की नींद उड़ा दी

है। वहीं चीनी के दामों में लगातार हो रही वृद्धि पर जूली ने भाजपा पर निशाना साधा है और कहा मोदी सरकार की अकुशल नीतियों के कारण चीनी के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं और पिछले एक पखवाड़े में इसके दामों में तकरीबन 20 रुपए प्रति किलों का इज़ाफ़ा हुआ है। यह तेजी उस समय आई है जब रक्षाबंधन और जन्माष्टमी जैसे त्यौहार आ रहे हैं जिससे लोगों पर महंगाई का और बोझ पड़ गया है। जूली ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के खोखले जुमले देने वाली भाजपा के राज में चीनी आयात करने की नौबत आ गई है।

टीकाराम जूली ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इस सरकार की कार्यशैली साफ दर्शाती है कि अगर लोकतंत्र में कोई सवाल पूछेगा तो उसे जवाब देने के बजाय पीटा जाएगा या फिर उस पर पेलेट गन चलाई जाएगी।

कांवड यात्रा

अजमेर में रविवार को पवित्र श्रावण मास के दौरान कांवड़ यात्रा के तहत निकाली गई शोभायात्रा में एक श्रद्धालु धार्मिक वेशभूषा धारण कर सजे-धजे नंदी बैल पर सवार होकर शामिल हुआ।

राज्यपाल ने बप्पा रावल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े रविवार को उदयपुर के कैलाशपुरी स्थित गांव मथाथा पहुंचे । उन्होंने वहां मेवाड़ के संस्थापक बप्पा रावल के घोड़े पर सवार भव्य प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी श्रद्धा निवेदित की। बाद में बागडे ने वही निर्मित बप्पा रावल पैनोरमा में प्रदर्शित इतिहास से जुड़ी विभिन्न घटनाओं और उनके आलोक में निर्मित प्रतिमाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि बप्पा रावल मेवाड़ के संस्थापक ही नहीं थे बल्कि भारतीय इतिहास को गौरव प्रदान करने वाले महान योद्धा थे। उन्होंने बप्पा रावल से जुड़े ऐतिहासिक प्रसंगों का स्मरण करते हुए कहा कि बप्पा रावल ने अरबों को भारत से खदेड़ा और उसके बाद 100 साल तक अरब भारत की ओर रुख नहीं कर सके थे। उन्होंने बप्पा रावल जैसे प्रतापी शासक के गौरवमय इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जाने पर जोर दिया।

केन्द्रीय मंत्री गोयल 200 सदस्यीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ जापान जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तोक्यो/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 24 अगस्त से जापान की चार दिवसीय यात्रा पर 200 सदस्यीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा होगी। जापान ने पिछले वर्ष भारत में एक दशक के दौरान 10 लाख करोड़ येन (करीब 60,000 करोड़ रुपये) के निवेश का लक्ष्य तय किया था। ऐसे में गोयल की यात्रा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गोयल तोक्यो, नागोया और ओसाका का दौरा करेंगे। उद्योग मंडल फिक्की की महानिदेशक ज्योति विज ने संवाददाताओं से कहा कि प्रतिनिधिमंडल में विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और इस्पात से लेकर वाहन, वित्तीय सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा और स्टार्टअप क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

तोक्यो में गोयल जापान के प्रमुख कारोबारी समूहों और औद्योगिक घरानों के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे। इसके

अलावा वह जापान के कीडानरेन (जापान के व्यावसायिक महासंघ) के साथ बैठक करेंगे, जिसमें जापान की 1,500 से अधिक प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। सेमीकंडक्टर और कृत्रिम मेधा (एआई), स्टार्टअप तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के साथ बातचीत के लिए भी विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। गोयल जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं उद्योग मंत्री अकाजावा रयोसेई के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा वह जापान सरकार और संसद के वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात करेंगे तथा वहां भारतीय समुदाय के साथ संवाद करेंगे।

नागोया में गोयल चुबू जापान आर्थिक महासंघ (चुकेरेन) और नागोया वाणिज्य एवं उद्योग मंडल के साथ निवेशक बैठक करेंगे। वह आइची प्रांत के नेतृत्व और वाहन तथा इस्पात क्षेत्रों के प्रमुख विनिर्माण निवेशकों से भी बातचीत करेंगे। यात्रा का समापन ओसाका में निवेशक और कारोबारी बैठक के साथ होगा। वहां इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक और उपभोक्ता क्षेत्र की प्रमुख जापानी कंपनियों के साथ बैठकें होंगी। इन बैठकों में भारत के विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा और उपभोक्ता बाजारों में उपलब्ध अवसरों को रेखांकित किया जाएगा।

वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को नई गति मिलने तथा उच्च प्रौद्योगिकी वाले विनिर्माण और नई पीढ़ी के उद्योगों में सहयोग के नए अवसर खुलने की उम्मीद है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में मुख्य आरोपी को बचाने की कोशिशें की जा रहीं : राय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने रविवार को आरोप लगाया कि अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी और गबन मामले में मुख्य आरोपी को 'बचाने' की कोशिशें की जा रही हैं। राय ने अयोध्या यात्रा के दौरान हनुमानगढ़ी में पूजा-अर्चना और हनुमान चालीसा का पाठ करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने बजरंग बली से अत्याचार व अन्याय के खिलाफ कार्रवाई करने की प्रार्थना की है। उन्होंने कहा, ''अब हनुमान जी को अपनी गदा उठानी चाहिए और चंदा चोरों से हिसाब करना चाहिए।''

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने इस के मुद्दे पर राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि इस मामले में मुख्य आरोपी को 'बचाने' की कोशिशें की जा रही हैं। राम मंदिर के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस नेता ने मांग की कि इसके बजाय वरिष्ठ हिंदू धार्मिक नेताओं या धर्माचार्यों को नियुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर को व्यापार का केंद्र नहीं बनने दिया जाएगा। राय ने कहा कि कांग्रेस पारंपरिक रूप से अपने कार्यक्रमों की शुरुआत प्रार्थना और भगवान के दर्शन के साथ करती है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन की संभावना पर राय ने जोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से हटाया जाएगा लेकिन गठबंधन के बारे में फैसला पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व करेगा। उन्होंने बढ़ती महंगाई और चीनी व अन्य जरूरी चीजों की कीमतों को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा और कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ उत्तर प्रदेश के साथ-साथ पूरे देश में आंदोलन की बात कही।

हिमाचल में 80 जगहों पर ई-बसों के लिए 'चार्जिंग पॉइंट' बनाए जा रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने रविवार को कहा कि हिमाचल सड़क परिवहन निगम (एचआरटीसी) राज्यभर में इलेक्ट्रिक बसों की चार्जिंग' अवसंरचना को मजबूत बनाने के लिए 122 करोड़ रुपये की लागत से 80 स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित कर रहा है। अग्निहोत्री ने हिमाचल सड़क परिवहन निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा, ''इनमें से 34 स्थानों पर 'चार्जिंग स्टेशन' स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि 21 स्थानों पर काम अगले एक महीने में पूरा होने की उम्मीद है। शेष 25 स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है।''

उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों के सुचारू और प्रभावी संचालन के लिए एचआरटीसी बस अड्डों और कार्यशालाओं में 'चार्जिंग पॉइंट' बनाए जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''इलेक्ट्रिक बस चलाने के साथ चार्जिंग अवसंरचना का विस्तार राज्य में आधुनिक, किफायती और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।''

महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने और 'वंदे मातरम' के पूर्ण गायन का समर्थन करें राहुल : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से महिलाओं के समर्थन में दिए अपने बयानों को अमल में लाने के लिए संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का समर्थन करने तथा कांग्रेस कार्यालयों में 'वंदे मातरम' के पूर्ण गायन की व्यवस्था करने को कहा। गांधी ने शनिवार को पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में छात्राओं से बातचीत करते हुए उनसे ''पितृसत्ता को खत्म करने'' का आह्वान किया था। उन्होंने ''मनुस्मृति वाली मानसिकता'' पर भी निशाना साधा और दावा किया कि यह महिलाओं को जीवन के हर चरण में पुरुष रिश्तेदारों के अधीन रहने के लिए मजबूर करती है।

बंगाल की पिछली सरकारों ने राज्य के विकास के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम नहीं किया : शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को आरोप लगाया कि राज्य की पिछली सरकारों ने प्रदेश के विकास के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम नहीं किया। शुभेंदु ने यहां 'गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स' (जीआरएसई) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की डबल इंजन सरकार अब राज्य का विकास सुनिश्चित करेगी।

उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल की पिछली सरकारों ने राज्य के विकास के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम नहीं किया। पचास साल की नकारात्मकता खत्म हो गई है और हमारी 'डबल इंजन' सरकार अब यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य आगे

बढ़े। उन्होंने कहा कि वाम दलों के 34 वर्षों के शासन और तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासन के दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ केवल विरोध ही किया गया। उन्होंने दावा किया कि इसका खामियाजा पश्चिम बंगाल को भुगतना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में निवेश आकर्षित करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा, भूमि और मानव संसाधन मौजूद हैं। उन्होंने कहा, बंगाल में सब कुछ था, लेकिन डबल इंजन' वाली सरकार नहीं थी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के 106 दिनों के कार्यकाल में उनकी सरकार ने पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश की संवेदनशील सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भूमि सौंपने को अपनी प्राथमिकता बनाया। निजी निवेशकों से पश्चिम बंगाल में उद्योग स्थापित करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य का माहौल बदल गया है।

शुभेंदु ने उन्हें आश्वासन दिया कि राज्य में नयी परियोजनाएं स्थापित करने के लिए भूमि की कोई समस्या नहीं होगी और उनकी सरकार इस उद्देश्य के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यहां मुख्यमंत्री की मौजूदगी में जीआरएसई और यंत्र इंडिया लिमिटेड की पांच 'ब्राउनफील्ड' विस्तार परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

नाथू ला के रास्ते कैलाश मानसरोवर यात्रा संपन्न, अंतिम जत्थे के तीर्थयात्री लौटे

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के नाथू ला मार्ग से होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा रविवार को संपन्न हो गई। अधिकारियों ने बताया कि 10 जत्थों में कुल 464 तीर्थयात्रियों ने यह यात्रा पूरी की। यह यात्रा 20 जून को शुरू हुई थी। तीर्थयात्रियों के अंतिम जत्थे के गंगटोक लौटने के साथ यह तीर्थयात्रा संपन्न हो गई। तीर्थयात्रियों ने चीन के स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत में स्थित कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील के दर्शन किए। वापसी पर सिक्किम पर्यटन विकास निगम (एसटीडीसी) के प्रतिनिधियों ने तीर्थयात्रियों का स्वागत और अभिनंदन किया। एसटीडीसी के प्रधान मुख्य कार्यकारी अधिकारी गुर्मे योसाल ने कहा कि लौटने के बाद तीर्थयात्रियों ने अपने अनुभव साझा किए। तीर्थयात्रियों ने इस यात्रा को आध्यात्मिक और यादगार अनुभव से पूर्ण बताया तथा सहयोग के लिए केंद्र सरकार, एसटीडीसी, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और अन्य एजेंसियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष पर राष्ट्रगान के बीच में कार्यक्रम छोड़कर जाने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उन्नाव/भाषा। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना का एक वीडियो सामने आने के बाद रविवार को विवाद हो गया, जिसमें वह उन्नाव में कथित रूप से राष्ट्रगान के बीच कार्यक्रम से जाते हुए दिख रहे हैं।

महाना ने इस वीडियो पर सफाई देते हुए कहा कि जिस जगह उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया, वहां राष्ट्रगान नहीं बजाया गया था। वायरल वीडियो में महाना को पुलिस द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिए जाने के बाद राष्ट्रगान सुनाई दे रहा है। इस दौरान महाना तिरंगे को सलामी देकर हाथ जोड़ते हैं और मंच से उतरकर कार में बैठकर वहां से रवाना होते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो पूरन नगर स्थित एसवीएम इंटर कॉलेज के आस्था सभागार का बताया जा रहा है, जहां महाना शनिवार को प्रधानाचार्य परिषद के अधिवेशन एवं शैक्षिक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। महाना ने प्रधानाचार्यों और शिक्षाविदों से अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने की अपील की और कहा कि शिक्षण संस्थान देश के विकास की नींव हैं और संस्थानों के मजबूत होने से देश मजबूत होगा। वीडियो सामने आने के बाद इसे लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं।

उन्नाव जिला कांग्रेस कमेटी के नेता दिनेश शुक्ला ने आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष ने प्रोटोकॉल के तहत 'गार्ड ऑफ ऑनर' लिया और राष्ट्रगान के दौरान वहां से चले गए। उन्होंने सवाल किया, ''क्या यह राष्ट्रगान का अपमान नहीं है?'' दूसरी ओर, कार्यक्रम आयोजकों ने बताया कि जिस स्थान पर महाना मौजूद थे, राष्ट्रगान वहां से काफी दूरी पर चलाया गया था। वायरल वीडियो के बारे में पूछे जाने पर महाना ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जिस जगह उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया, वहां राष्ट्रगान नहीं बजाया गया था। महाना ने कहा, जिस जगह मुझे गार्ड ऑफ़ ऑनर दिया गया, वहां राष्ट्रगान नहीं बजाया गया। जब किसी मेहमान वीआईपी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है, तो तय नियमों के अनुसार राष्ट्रगान नहीं बजाया जाता।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान कार्यक्रम स्थल पर बजाया गया था, लेकिन वह उस जगह पर नहीं थे जहां वह बजाया जा रहा था। इस मामले को लेकर खुद पर सवाल उठाने वालों से महाना ने कहा, जब किसी कार्यक्रम स्थल पर राष्ट्रगान बज रहा होता है तब क्या वहां से गुजरते समय हर कोई रुककर सावधान की मुद्रा में खड़ा हो जाता है?

पुराने बंगलों के कारण केंद्रीय मंत्रियों के आवासों का रखरखाव खर्च बढ़कर 92 करोड़ रुपये पहुंचा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के प्रतिष्ठित लुटियंस क्षेत्र में स्थित सरकारी बंगलों का रखरखाव लगातार महंगा होता जा रहा है, जो अब करीब एक सदी पुराने हो चुके हैं। केंद्रीय मंत्रियों के सरकारी आवासों की मरम्मत, साज-सज्जा और रखरखाव पर 2025-26 में 92.35 करोड़ रुपये खर्च हुए, जो 2014-15 में खर्च किए गए 27.47 करोड़ रुपये से तीन गुना से भी अधिक है।

'पीटीआई' द्वारा आरटीआई के तहत प्राप्त जानकारी के अनुसार, 2014-15 से 2025-26 के बीच ऐसे कार्यों पर सरकार ने केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के जरिए 547.68 करोड़ रुपये खर्च किए। सीपीडब्ल्यूडी ही इन आवासों की मरम्मत, साज-सज्जा और रखरखाव का काम करता है। आंकड़ों के अनुसार, 2025-26 में सरकारी बंगलों पर हुआ 92.35 करोड़ रुपये का वार्षिक खर्च 2014 के बाद सबसे अधिक है। अधिकारियों ने इसके लिए महंगाई के साथ-साथ राजधानी के बीचोंबीच बड़े भूखंडों पर बने इन पुराने भवनों में समय के साथ होने वाली टूट-फूट को जिम्मेदार ठहराया। सीपीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने पिछले कुछ वर्षों में इन बंगलों के रखरखाव से जुड़ी कई चुनौतियों की ओर इशारा किया है। इनमें सीलन, दीमक लगना, पुराने हो चुके बिजली के उपकरण, पाइपलाइन की समस्याएं और अन्य मरम्मत कार्य शामिल हैं।

सुधा मूर्ति ने बिहार की बराबर गुफाओं का दौरा किया, विश्व धरोहर का दर्जा दिए जाने का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जहानाबाद/भाषा। समाजसेवी सुधा मूर्ति ने रविवार को बिहार के जहानाबाद जिले में स्थित 'प्राचीन बराबर गुफाओं' का दौरा किया और उन्हें यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करने की वकालत की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

जानी-मानी लेखिका और राज्यसभा सदस्य मूर्ति शनिवार को पटना के जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं। मूर्ति ने पटना पहुंचने पर संवाददाताओं से कहा, मैं दो दशकों से अधिक समय बाद पटना आई हूं और यहां समय के साथ हुई तरक्की देखकर मुझे खुशी हो रही है। जहानाबाद जिला प्रशासन द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक मूर्ति ने चट्टानों को काटकर बनाई गई गुफाओं की निर्माण तकनीकों, कलात्मक उत्कृष्टता और ऐतिहासिक महत्व की सराहना की। बयान में कहा गया है कि राज्यसभा सदस्य ने विशेष तौर पर गुफा की दीवारों पर शीशे जैसी चमक और गुफाओं के अंदर खास आवाज और गूंजने वाले असर की तारीफ की। उन्होंने इन्हें प्राचीन भारत की बेहतरीन इंजीनियरिंग, वैज्ञानिक सोच और कारीगरी का उदाहरण बताया। बयान के मुताबिक मूर्ति ने बराबर गुफाओं' को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करने की भी अपील की और कहा कि इससे इस प्राचीन स्थल को वैश्विक स्तर पर और अधिक पहचान दिलाने में मदद मिलेगी।

यूक्रेन में रूसी मिसाइल हमले में जान गंवाने वाले देवरिया के युवक का शव 34 दिन बाद भारत लाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देवरिया (उप्र)/भाषा। यूक्रेन के ओडेसा तट के निकट मालवाहक जहाज पर रूसी मिसाइल हमले में जान गंवाने वाले कर्मचारियों देवरिया के अभिषेक निषाद और कर्नाटक के अखिल जोयन के शव 34 दिन बाद रविवार को भारत लाए गए।

मालवाहक जहाज कंपनी की प्रतिनिधि प्रज्ञा त्रिपाठी ने 'पीटीआई-भाषा' को रविवार को बताया कि निषाद का शव दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया, जिसके बाद उनके रिश्तेदार सुबह करीब आठ बजे शव लेकर पैतृक गांव करमेल के लिए रवाना हो गए। जिला प्रशासन के एक प्रवक्ता के अनुसार गौरीबाजार थाना क्षेत्र के करमेल गांव निवासी 22 वर्षीय अभिषेक निषाद मालवाहक जहाज 'गोल्डन लियो' पर चालक दल के सदस्य के रूप में कार्यरत थे।

प्रवक्ता ने बताया कि वह 10 जुलाई को वाराणसी से मुंबई पहुंचे थे जिसके बाद तुर्किये होते हुए 11 जुलाई को माल लेकर मक्का जा रहे जहाज पर सवार हुए थे। उन्होंने बताया कि 19 जुलाई को यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह के निकट जहाज पर रूसी मिसाइल हमला हुआ, जिसमें कुछ अन्य कर्मचारियों के साथ-साथ अभिषेक की भी मौत हो गयी थी और उनके शव क्षत-विक्षत हो गए। प्रवक्ता ने बताया कि मृतकों की उम्र भी लगभग समान होने के कारण सामान्य पहचान के आधार पर शवों की पुष्टि संभव नहीं थी, जिसके बाद डीएनए जांच करायी गयी थी।

उन्होंने कहा कि डीएनए रिपोर्ट के मिलान के बाद अभिषेक के शव की पहचान हुई। उन्होंने बताया कि डीएनए जांच और अन्य औपचारिकताएं पूरी होने के बाद अभिषेक का शव 34 दिन बाद उसके पैतृक गांव लाया जा रहा है।

प्रवक्ता ने बताया कि यूक्रेन के कीव स्थित बोरिस्पिल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से शव को मोल्दोवा के चिसिनाउ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और फिर विमान के जरिए नई दिल्ली लाया गया। प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी की एंबुलेंस से शव को करमेल लाया जा रहा है, जो देर रात तक लाए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि विगत 19 जुलाई को ओडेसा बंदरगाह के निकट मालवाहक जहाज गोल्डन लियो पर हुए रूसी मिसाइल हमले में चालक दल के चार भारतीय सदस्यों के मारे जाने की पुष्टि हुई थी, जिनमें अभिषेक निषाद के अलावा कर्नाटक के हासन जिले के 26 वर्षीय अखिल जोयन, पंजाब के रहने वाले गुरप्रीत सिंह भट्ट और राजस्थान के जगन सिंह शामिल हैं। अभिषेक के शव को भारत लाने में हुई देरी को लेकर विदेश मंत्रालय ने केंद्रीय राज्य मंत्री कमलेश पासवान को जानकारी दी थी।

मेरे लिए यह बच्चों का खेल, राहुल गांधी को शायद प्रशिक्षण की जरूरत पड़े : रीजीजू ने तैराकी पर कहा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू के बीच फिटनेस को लेकर हल्की-फुल्की नोक-झोंक अकसर चलती रहती है और इसी कड़ी में भाजपा नेता ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को अरुणाचल प्रदेश की तेज बहाव वाली नदियों में तैरने के लिए प्रशिक्षण की जरूरत पड़ सकती है।

रीजीजू ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं यहां का खिलाड़ी हूं।'' रीजीजू ने अरुणाचल प्रदेश की एक नदी में तैरते हुए अपना वीडियो पोस्ट साझा किया। उन्होंने इसके साथ लिखा, ''कई लोग कह रहे हैं कि मैं भी राहुल गांधी की तरह यह सब

कर रहा हूं। हो सकता है कि राहुल जी ऐसी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षण लेते हों, लेकिन मेरी जिंदगी में ये सब आम बात है। मैं इसके लिए कोई प्रशिक्षण नहीं लेता क्योंकि बचपन से ही ये सब मेरे लिए बच्चों का खेल रहा है। मेरी जिंदगी रोमांच से भरी है।'' उन्होंने लिखा, ''अगर आपको तैरना नहीं आता है, तो कभी भी गहरे पानी में न जाएं। नदी में कई लोग डूब चुके हैं। अरुणाचल प्रदेश की नदियां बहुत बड़ी और गहरी हैं।'' रीजीजू ने बाद में एक और वीडियो पोस्ट किया, जिसमें बताया कि अरुणाचल की नदियों में तैरना, तरण-ताल या शांत पानी में तैरने से कैसे अलग है। उन्होंने कहा, ''कुछ लोगों को लग सकता है कि अरुणाचल प्रदेश की तेज बहती नदियों में तैरना, तरण-ताल या यमुना जैसी नदियों में तैरने जैसा ही है। लेकिन ऐसी तेज़ बहाव वाली नदियों में हमारा सिर ऊपर होना चाहिए, नीचे नहीं; और शरीर ऊपर की ओर ज़्यादा सीधा होना चाहिए, न कि वैसा सीधा जैसा हम तैराकी की प्रतियोगिताओं में रखते हैं। मैं यहां का खिलाड़ी हूं।''

ऑक्सीजन सिलेंडर के कारण रांची से बेंगलूरु जाने वाली उड़ान में पांच घंटे की देरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड की राजधानी से बेंगलूरु जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर पांच घंटे देरी से पहुंची क्योंकि एअरलाइन को दिल्ली से ऑक्सीजन सिलेंडर मंगवाने पड़े। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या 1239 बेंगलूरु से रांची पहुंची थी। उड़ान के दौरान एक यात्री को सांस लेने में दिक्कत हुई और विमान में ही उसे ऑक्सीजन दी गई। उन्होंने कहा कि यात्री की हालत स्थिर थी और रांची हवाई अड्डे पर विमान उतरने के बाद वह अपने घर चला गया। वापसी की उड़ान बेंगलूरु जाने में करीब पांच घंटे की

देरी हुई क्योंकि विमानन कंपनी को नई दिल्ली से ऑक्सीजन सिलेंडर मंगवाने पड़े।

हवाई अड्डे के निदेशक विनोद कुमार सिंह ने कहा, एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या आईएक्स 1239 सुबह करीब 8.55 बजे यहां पहुंची। ऑक्सीजन सिलेंडर दिल्ली से मंगवाकर यहां पहुंचाए जाने के बाद वापसी की उड़ान आईएक्स 1244 रांची से यात्रियों को लेकर करीब पांच घंटे की देरी से दोपहर 1.51 बजे बेंगलूरु के लिए रवाना हुई।

सुविचार

मित्रता विश्वास पर टिकी होती है। सच्चे मित्रों का सम्मान करें, सुख-दुख में साथ दें, रिश्तों को निभाएं, जीवन सुंदर बनेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अपनों का अपमान क्यों?

अरुणाचल प्रदेश की एक बच्ची का वायरल वीडियो, जिसमें वह निवेदन करती है कि 'कृपया हमें चीनी न कहें, हम भारतीय हैं', उस नस्लीय भेदभाव से उपजे दर्द को बयान करता है, जिस पर अब खुलकर बात होनी चाहिए। अरुणाचल प्रदेश समेत पूर्वोत्तर के सभी लोग सम्मानित भारतीय नागरिक हैं, हमारे भाई-बहन हैं। उनके साथ कुछ लोगों द्वारा किया जा रहा अपमानजनक व्यवहार गंभीर चिंता का विषय है। जो व्यक्ति खुद भारतीय है, जिसके माता-पिता भारतीय हैं, जिसके पूर्वज भारतीय थे, जिसका पूरा परिवार भारतीय है, जो लोग इस देश की एकता एवं अखंडता में विश्वास रखते हैं, जो हर युद्ध एवं आपदा के समय इस देश के साथ खड़े रहे हैं, जो चीन की ज्यादती और विस्तारवादी नीति का विरोध करते हैं, जब उन्हें चीनी कहकर संबोधित किया जाएगा तो कैसा लगेगा? ऐसा कहने वाले शख्स की ज़बान खंजर की तरह चुभेगी। अपने देशवासियों को चीनी कहकर संबोधित करना बहुत शर्मनाक, घोर अपमानजनक एवं अत्यंत निंदनीय है। जब हमारे देश के लोग ब्रिटेन, अमेरिका, जर्मनी जैसे देशों में जाते हैं और वहां कोई व्यक्ति उन्हें भूलवश अन्य देश का नागरिक समझ लेता है तो बहुत बुरा लगता है। विदेशी व्यक्ति को हमें पहचानने में गलतफ़हमी हो सकती है, लेकिन हम अपने ही देशवासी भाइयों-बहनों को जानबूझकर किसी ऐसे देश के साथ जोड़कर संबोधित करें, जो हमसे दुश्मनी रखता है, तो यह अक्षम्य है। पूर्वोत्तर के निवासी जब देश के अन्य इलाकों में जाते हैं तो कुछ शरारती तत्त्व उन्हें अभद्र शब्दों से संबोधित करते हैं। कोरोना काल में ऐसी घटनाएं सोशल मीडिया पर बहुत चर्चा में रही थीं, जब कुछ लोगों ने पूर्वोत्तर के निवासियों के बारे में ओछी बातें कही थीं। हमें इन भाइयों-बहनों की तकलीफ समझनी होगी। साथ ही, गलत हरकत करने वालों को चेतावनी देनी होगी।

पूर्वोत्तर के निवासियों से अक्सर ऐसे सवाल पूछे जाते हैं, जो उन्हें असहज कर देते हैं। लद्दाख के निवासियों को भी इन सवालों के जरिए परेशान किया जाता है। कुछ लोगों को लगता है कि चीन में इनकी रिश्तेदारी है। इनसे पूछा जाता है- क्या आप कभी चीन गए हैं? इनके बच्चों से कई ऑटोरिक्शा वाले ज्यादा किराया वसूलते हैं। इन्हें आसानी से मकान किराए पर नहीं मिलता है। जब मनचले, निर्लज्ज और उद्दंड किस्म के लोग अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर इनके नजदीक से गुजरते हैं तो अश्लील किस्म का ठहाका लगाते हुए अभद्र शब्द बोलते हैं। जब पूर्वोत्तर के निवासी अपने गृहराज्यों में जाते हैं तो क्या करते हैं? वे 'भारत माता की जय' बोलते हैं। वे 'जय हिंद' का नारा लगाते हैं। वे तिरंगे को सलाम करते हैं। वर्ष 1962 में, जब चीन ने भारत पर हमला किया था, तब लद्दाख से लेकर अरुणाचल तक के निवासी हमारे सैनिकों के साथ एक मजबूत दीवार बनकर खड़े हो गए थे। उन्होंने कई मोर्चों पर सेना तक जंगी साजो-सामान और खुफिया सूचनाएं पहुंचाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ये लोग भारत के सच्चे प्रहरी हैं। जो व्यक्ति इन्हें, खासकर अरुणाचल के निवासियों को चीन के साथ जोड़कर संबोधित करता है, उसे मालूम होना चाहिए कि चीन भी अरुणाचल को 'दक्षिण तिब्बत' कहकर इस पर अपना अवैध दावा जताता है। क्या यह हरकत चीन के सुर में सुर मिलाने जैसी नहीं है? चीनी एजेंसियां भारत के खिलाफ दुष्प्रचार करने के लिए मौके ढूंढ़ती हैं। क्या हमारे ही कुछ लोग अपनी नादानी और असावधानी के कारण दुश्मन को मौका नहीं दे रहे हैं? सरकार को इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। ईश्वर ऐसे लोगों को सद्बुद्धि दे।

ट्वीटर टॉक

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी को उनके जन्मदिन पर दिल से बधाई और शुभकामनाएं। जन सेवा और राज्य के विकास के लिए आपका समर्पण हमेशा बना रहे। मैं ईश्वर से आपके शुभ, खुशहाल जीवन की प्रार्थना करता हूं।

-सचिन पायलट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में, राजस्थान की डबल इंजन सरकार राज्य के हर नागरिक की खुशहाली और भलाई के लिए पूरी लगन से काम कर रही है।ङ्कङ्कखेती से लेकर हेल्थ, एनर्जी आज राजस्थान देश के लीडिंग राज्यों में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।

-भजनलाल शर्मा

कोलकाता में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड और यंत्र इंडिया लिमिटेड की फैसिलिटीज़ के लिए 'भूमि पूजन समारोह' में शामिल हुआ। मैं पश्चिम बंगाल में बड़े एक्सपेंशन प्रोजेक्टस शुरू करने पर बधाई देता हूं ।

-राजनाथ सिंह

प्रेरक प्रसंग

उजाले के दीप

गुजरात के कांति और शांतिशाह जुड़वां भाई थे। दोनों की दृष्टि कमजोर थी। किशोरवय में दोनों भाइयों की नेत्रज्योति जाती रही। उनके बड़े सहोदर ने दोनों को वडोदरा स्थित नेत्रहीनों के स्कूल में ब्रेल लिपि सीखने की सलाह दी। उसके बाद वे दोनों बंबई के वर्ली इलाके में स्थित डुग्गन ब्रेल प्रेस के अहाते में रहने लगे। पहले उन्होंने ब्रेल पुस्तकों का एक चल पुस्तकालय स्थापित किया, उसके बाद सन 1947 में उन्होंने 'दीपक' नाम से एक ब्रेल पत्र का प्रकाशन शुरू किया। वे ऐसे पहले प्रकाशक थे जिन्होंने भारत के नेत्रहीनों के लिए ब्रेल पत्र छापने का काम किया। उनके मिशन से प्रभावित होकर न्यूयार्क की एक धर्मार्थ फाउंडेशन ने उन्हें एक डुप्लीकेटर भेंट किया। फिर 'दीपक' गुजराती के साथ हिंदी में भी निकलने लगा। उन्होंने अनेक पुस्तकों का ब्रेल में रूपांतरण किया। सन 1958 में उन्होंने ब्रेल प्रेस एसोसिएशन की स्थापना की, जिसमें सारा काम नेत्रहीन ही करते थे। नेत्रहीनों में साहित्य व शिक्षा के प्रसार हेतु उनको अनेक सम्मानों से विभूषित किया गया। उनके काम पर एक फिल्म भी दूरदर्शन पर प्रसारित की गई। दोनों भाइयों ने यह सिद्ध कर दिया कि नेत्रहीन जीवन अंधकारमय नहीं होता।

सामयिक

मोबाइल की घातक चाह का आत्मघाती दलदल

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर से आई हालिया हृदयविदारक घटना ने आधुनिक समाज की बुनियाद को हिलाकर रख दिया है। एक उन्नीस वर्षीय किशोर ने महज एक महंगे आई फोन की मांग पूरी न होने पर पहाड़ी की चोटी से छलांग लगा दी। उसे बचाने की तीन घंटे की मर्मभेदी कोशिशों के बीच पिता ने उसे पकड़ना चाहा, पर दोनों का संतुलन बिगड़ गया और वे सैकड़ों फीट गहरी खाई में जा गिरे। इस भयावह मंजर को अपनी आंखों से देखने वाली बेबस मां ने भी बदहवास होकर मौत की उसी खाई में छलांग लगा दी। चंद पलों में, एक स्मार्टफोन की जिद ने हंसते-खेलते पूरे परिवार का अस्तित्व ही मिटा दिया। यह कोई अकेली घटना नहीं है। कुछ ही समय पहले गाजियाबाद में तीन सगी बहनों द्वारा डिजिटल लत और मानसिक तनाव के चलते की गई सामूहिक खुदकुशी की घटना ने भी देश को झकझोर दिया था। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में 10 साल के मासूम बच्चे की रील देखते-देखते अचानक दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत ने तो चिकित्सा जगत को भी हैरत में डाल दिया है। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में पुरानी मोबाइल बैटरी के फटने से मासूम की जान जाने का मामला हो या ऑनलाइन गेम में पैसे हारने पर किशोरों द्वारा उठाए जाने वाले आत्मघाती कदम; ये सभी घटनाएं चिल्ला-चिल्लाकर कह रही हैं कि 'मोबाइल की चाह' अब सिर्फ एक लत नहीं, बल्कि हमारे नौनिहालों के लिए एक जानलेवा महामारी बन चुकी है। आखिर वह कोमल बचपन, जो कभी तितलियों के पीछे भागने, कागजों की कश्ती तैरने और गलियों में मिट्टी से सराबोर होने में अपनी खुशी ढूंढता था, आज पांच इंच की इस कांच की स्क्रीन का गुलाम कैसे हो गया? यह सवाल आज हर उस घर का है जहां एक बच्चा चौबीस घंटे अपनी उंगलियों को स्क्रीन पर सरकाता रहता है। सरकार के आधिकारिक आर्थिक सर्वेक्षण तक में इस समस्या को एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में चिह्नित किया चुका है। डॉक्टरों और न्यूरोलॉजिस्ट्स का स्पष्ट मानना है कि किशोरावस्था में बच्चों का मस्तिष्क पूरी तरह विकसित नहीं होता है। ऐसे में अत्यधिक और अनियंत्रित डिजिटल एक्सपोजर उनके सोचने की क्षमता को विकृत कर देता है। उनमें आवेग और चिड़चिड़ापन इस कदर बढ़ जाता है कि वे 'ना' सुनने की क्षमता पूरी तरह खो देते हैं। किसी वस्तु की मांग पूरी न होने पर या ऑनलाइन दुनिया में खुद को कमतर पाने पर वे सीधे अपनी जीवनलीला समाप्त करने जैसा भयावह कदम उठा लेते हैं।

स्मार्टफोन विज्ञान का एक बेहतरीन आविष्कार है, लेकिन जब कोई आविष्कार इंसानी जान की कीमत पर हावी होने लगे, तो उसे वरदान नहीं, अभिशाप माना जाता है। नौनिहालों की जाती जान के लिए सीधे तौर पर हम सब जिम्मेदार हैं-वह माता-पिता भी जो फोन देकर निश्चिंत हो गए, वह समाज भी जिसने बच्चों से उनके खेल के मैदान छीन लिए, वह व्यवस्था भी जो तकनीक के इस बेलगाम घोड़े पर लगाम लगाने में सुस्त है।

विकट स्थिति के लिए किसी एक पक्ष को जिम्मेदार ठहराकर हम अपनी सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकते। इसके जिम्मेदार कई स्तरों पर मौजूद हैं। सबसे पहली और प्राथमिक जिम्मेदारी माता-पिता की है। आधुनिक जीवनशैली की भागदौड़, काम के दबाव और अपनी व्यक्तिगत व्यस्तताओं के कारण पेरेंटस ने स्मार्टफोन को एक 'सस्ते बेबीसिटर' या 'डिजिटल लोरी' के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। बच्चा रोया नहीं कि उसके हाथ में फोन थमा दिया गया, बच्चा खाना नहीं खा रहा तो स्क्रीन पर कार्टून चला दिया गया। शुरुआती दौर में जिस स्क्रीन को बहलावे का साधन समझा गया, वह धीरे-धीरे कब बच्चों के मानसिक तंत्र पर हावी हो गई, इसका अंदाजा अभिभावकों को तब लगता है जब पानी सिर से ऊपर बह चुका होता है। इसके साथ ही, बच्चों के स्क्रीन टाइम और वे इंटरनेट पर क्या देख रहे हैं, इस पर प्रभावी निगरानी रखने में पैरेंटस पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं। इस मायाजाल के पीछे बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों का व्यावसायिक लालच भी पूरी तरह जिम्मेदार है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, रील्स, शॉर्ट्स और ऑनलाइन बैटल गेम्स का एल्गोरिदम इस तरह से डिजाइन किया जाता है जो सीधे मानवीय मस्तिष्क में 'डोपामाइन' के स्तर को नियंत्रित करे। यह बिल्कुल किसी मादक पदार्थ के सेवन जैसा है। जैसे ही यूजर एक रील स्क्रॉल करता है, उसे एक नया रोमांच मिलता है, जिससे उसे लगातार फोन देखते रहने की लत लग जाती है। इन कंपनियों के पास बच्चों को हानिकारक कंटेंट, साइबर बुलिंग या अश्लीलता से बचाने के लिए कोई ठोस और फुलप्रूफ सुरक्षा फिल्टर मौजूद नहीं हैं। उनके लिए बच्चे सिर्फ एक 'डेटा' और मुनाफे का जरिया हैं। हम एक ऐसे समाज में तब्दील हो चुके हैं जहां कंक्रीट के जंगलों के बीच बच्चों के लिए खेल के मैदान खत्म हो चुके हैं। एकल परिवारों के बढ़ते चलन और पड़ोसियों से संवादहीनता के कारण आज का बच्चा बेहद अकेला है। जब उसे घर के भीतर अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए कोई सजीव साथी, दादा-दादी या दोस्त नहीं मिलते, तो वह इस अकेलेपन को भरने के लिए स्मार्टफोन की आभासी दुनिया की शरण लेता है। यह आभासी दुनिया उसे झूठी तसल्ली तो देती है, लेकिन असल जिंदगी में उसे और अधिक संवेदनशून्य, आत्मकेंद्रित और कमजोर बना देती है।

स्मार्टफोन की लत सिर्फ जानलेवा हादसों या खुदकुशी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह अंदर ही अंदर हमारी आने वाली पीढ़ी की मानसिक और शारीरिक क्षमता को घुन की तरह खा रही है। स्क्रीन के अत्यधिक इस्तेमाल से बच्चों में अनिद्रा (खपीपळर), आंखों की गंभीर बीमारियां, मोटापा और एकाग्रता की कमी जैसी समस्याएं आम हो चुकी हैं। इससे भी खतरनाक है उनका मानसिक स्वास्थ्य। जब एक बच्चा सोशल मीडिया पर दूसरों की 'परफेक्ट' जिंदगी या महंगे गैजेटस देखता है, तो उसमें हीन भावना घर कर जाती है। वह यह समझने में असमर्थ रहता है कि स्क्रीन पर दिखने वाली दुनिया बनावटी है। इसी हीन भावना के वशीभूत होकर वह अपने माता-पिता पर महंगे फोन या साधनों के लिए दबाव बनाता है, और इंकार मिलने पर चरम कदम उठा लेता है।

छत्रपति संभाजीनगर की घटना हमारे लिए आखिरी चेतावनी की तरह है। अगर आज भी हमने अपनी आंखें नहीं खोलीं, तो डिजिटल एडिक्शन का यह अजगर न जाने कितने और परिवारों को निगल जाएगा। समाधान के लिए हमें एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। हर घर में 'नो-गैजेट जोन' और 'नो-मोबाइल ऑवर्स' निर्धारित होने चाहिए, जिसका पालन बच्चों के साथ-साथ माता-पिता भी करें। पैरेंटल ऐप्स और इंटरनेट फिल्टर्स का इस्तेमाल अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए ताकि बच्चे की डिजिटल गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। माता-पिता को अपने बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना होगा। बच्चों को यह विश्वास दिलाना जरूरी है कि उनकी पहचान किसी महंगे गैजेट या सोशल मीडिया के लाइक्स से तय नहीं होती। उन्हें 'ना' सुनने और असफलताओं को स्वीकार करने का हौसला बचपन से ही देना होगा। सरकार को टेक कंपनियों और गेमिंग प्लेटफॉर्म्स के लिए अत्यंत सख्त नियम बनाने होंगे। बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम को सीमित करने वाले फीचर्स को इन-बिल्ट करना और हानिकारक वेबसाइट्स पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना वक्त का तकाजा है। शिक्षा व्यवस्था में भी 'डिजिटल हाइजीन' को एक अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया जाना चाहिए।

स्मार्टफोन विज्ञान का एक बेहतरीन आविष्कार है, लेकिन जब कोई आविष्कार इंसानी जान की कीमत पर हावी होने लगे, तो उसे वरदान नहीं, अभिशाप माना जाता है। नौनिहालों की जाती जान के लिए सीधे तौर पर हम सब जिम्मेदार हैं-वह माता-पिता भी जो फोन देकर निश्चिंत हो गए, वह समाज भी जिसने बच्चों से उनके खेल के मैदान छीन लिए, वह व्यवस्था भी जो तकनीक के इस बेलगाम घोड़े पर लगाम लगाने में सुस्त है। समय आ गया है कि हम बच्चों के हाथों से स्मार्टफोन छीनकर उन्हें फिर से वही पुरानी किताबें, मिट्टी के खिलौने और खुले आसमान के नीचे खेलने वाले खेल वापस लौटाएं। हमें यह याद रखना होगा कि एक आईफोन दोबारा खरीदा जा सकता है, लेकिन किसी मां-बाप के बुझ चुके घर का चिराग कभी दोबारा नहीं जल सकता।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि डिजिटल युग का यह संकट किसी एक घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं है, यह हमारी पूरी सभ्यता की परीक्षा है। तकनीक सुविधा के लिए थी, समर्पण के लिए नहीं। जब हम अपने बच्चों को समय देने के बजाय उनके हाथों में चमचमाता स्मार्टफोन थमाते हैं, तो असल में हम उनकी मासूमियत का सौदा कर रहे होते हैं। आज हर माता-पिता को खुद से यह कड़वा सवाल पूछना होगा-क्या पांच इंच की उस बेजान स्क्रीन की कीमत, मेरे बच्चे की अनमोल मुस्कान और उसकी जिंदगी से ज्यादा है?

नजरिया

फ्लाईब्रेरी-जब सफर में किताब हमसफर बन जाए

वीरेंद्र कुमार पथरिया
मोबाइल : 9826050406

हवाई यात्रा को आमतौर पर गति, सुविधा और समय की बचत से जोड़कर देखा जाता है। कुछ घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचना, सुरक्षा जांच से गुजरना, बोर्डिंग का इंतजार करना और फिर कुछ ही समय में सैकड़ों किलोमीटर दूर पहुंच जाना, आज की तेज जिंदगी का यह सामान्य हिस्सा बन चुका है। लेकिन इसी भागदौड़ के बीच अगर किसी यात्री के हाथ में मोबाइल के बजाय किताब आ जाए तो यह यात्रा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने की नहीं, बल्कि, विचारों और ज्ञान की यात्रा भी बन सकती है। एयरपोर्ट पर फ्लाईब्रेरी, विमानपत्तन प्राधिकरण और नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक अनूठी पहल है, जिसके तहत देश के कई हवाई अड्डों पर यात्रियों के लिए मुफ्त स्व-सेवा पुस्तकालय बनाए गए हैं। इसके अंतर्गत यात्री एयरपोर्ट की लाइब्रेरी से अपनी पसंद की किताब ले सकता है, उसे विमान में पढ़ सकता है और अपने गंतव्य एयरपोर्ट पर वापस कर सकता है। यानी किताब खरीदने, साथ लेकर चलने या उसे वापस घर तक पहुंचाने की चिंता नहीं, यात्रा के साथ किताब भी और गंतव्य पर पहुंचकर उसे लौटाने की सुविधा भी।यह व्यवस्था छोटी दिखाई दे सकती है, लेकिन इसके पीछे छिपा विचार बहुत बड़ा है। क्यों कि इससे यात्रा का खाली समय बनेगा ज्ञान का समय।

एयरपोर्ट पर यात्रियों को अक्सर काफी समय इंतजार में बिताना पड़ता है। मोबाइल की स्क्रीन पर लगातार स्क्रॉल करते हुए यह समय कब बीत जाता है, पता ही नहीं चलता। सोशल मीडिया, वीडियो और अनगिनत सूचनाएं हमारे ध्यान को लगातार बांटती रहती हैं। ऐसे में यदि उसी प्रतीक्षा समय में कोई यात्री किताब उठा ले, तो कुछ मिनट या एक-दो घंटे भी उसके लिए सार्थक बन सकते हैं। क्योंकि किताब केवल समय नहीं काटती, समय को अर्थ देती है। विमान के उड़ान भरते ही यदि यात्री मोबाइल को एक तरफ रखकर किताब खोलता है, तो वह कुछ समय के लिए डिजिटल दुनिया के शोर से बाहर निकलकर अपने विचारों की दुनिया में प्रवेश करता है।किताबें हमें केवल जानकारी नहीं देतीं, वे हमारी सोचने की क्षमता को विस्तार देती हैं। एक अच्छी किताब हमें किसी दूसरे व्यक्ति की आंखों से दुनिया देखने का अवसर देती है। वह हमें उन स्थानों तक ले जाती है जहां हम शायद कभी नहीं जा सकते, उन लोगों से मिलाती है जिन्हें हम कभी जान नहीं सकते और उन अनुभवों से परिचित कराती है जिन्हें स्वयं जी पाना संभव नहीं। इतिहास की किताब हमें अतीत से जोड़ती है। जीवनी हमें संघर्ष से परिचित कराती है। साहित्य संवेदनशील बनाता है। दर्शन हमें स्वयं से प्रश्न करना सिखाता है।विज्ञान जिज्ञासा पैदा करता है और अच्छी कहानियां हमें मनुष्य और समाज को समझने की दृष्टि देती हैं। इसलिए किताब पढ़ने वाला व्यक्ति केवल कुछ पृष्ठ पूरा नहीं करता, वह अपने भीतर कुछ नया जोड़ता है। यह विडंबना है कि आज हमारे पास पढ़ने के लिए पहले से कहीं अधिक सामग्री उपलब्ध है, लेकिन किताब पढ़ने का धैर्य कम होता जा रहा है। मोबाइल पर हम एक मिनट में दर्जनों चीजें देख लेते हैं, लेकिन एक किताब के कुछ पन्नों पर ठहरना कठिन लगता है। हमारी उंगलियां स्क्रीन पर तेज चलती हैं, लेकिन हमारा मन लंबे समय तक किसी विचार के साथ ठहरना भूलता जा रहा है।

ऐसे समय में फ्लाईब्रेरी जैसी पहल किताब को फिर से हमारी यात्रा, प्रतीक्षा और रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बना सकती है। शायद किसी यात्री ने केवल समय बिताने के लिए किताब उठाई हो, लेकिन पढ़ते-पढ़ते उसे कोई ऐसा विचार मिल जाए जो उसके जीवन की दिशा बदल दे। किसी विद्यार्थी को करियर से जुड़ी किताब मिल जाए। किसी युवा को किसी महान व्यक्तित्व की जीवनी प्रेरित कर दे। किसी बुजुर्ग को साहित्य की कोई पुरानी पुस्तक अपनी स्मृतियों तक ले जाए। किसी बच्चे को कहानी की किताब पढ़ने का आनंद मिल जाए। यही किताबों की खूबसूरती है, हम किताब चुनते हैं, लेकिन कई बार किताब हमारे भीतर कुछ चुन जाती है। इस सुविधा की एक और खूबसूरत बात है कि किताब एक यात्री के साथ शुरू होकर दूसरे यात्री तक पहुंच सकती है। मान लीजिए कोई व्यक्ति दिल्ली के एयरपोर्ट से किताब लेता है और मुंबई पहुंचकर उसे वापस कर देता है। उसके बाद वही किताब किसी दूसरे यात्री के हाथ में जा सकती है। इस तरह एक किताब केवल एक व्यक्ति की नहीं रहती, बल्कि अनेक यात्रियों की साथी बन जाती है। यह किताबों के प्रति साझा जिम्मेदारी और साझा ज्ञान की भावना भी पैदा करती है। किताब खरीदना अच्छी बात है, लेकिन किताब को पढ़कर आगे बढ़ाना उससे भी सुंदर विचार है।

एयरपोर्ट आधुनिक भारत की पहचान का हिस्सा हैं। यहां देश के अलग-अलग हिस्सों और दुनिया के विभिन्न देशों से लोग आते-जाते हैं। यदि ऐसे स्थानों पर पुस्तकालय और पढ़ने की सुविधाएं बढ़ती हैं तो एयरपोर्ट केवल यातायात के केंद्र नहीं रहेंगे, बल्कि ज्ञान और संस्कृति के छोटे-छोटे केंद्र भी बन सकते हैं। कल्पना कीजिए, एक यात्री एयरपोर्ट पर पहुंचे और दुकानों, रेस्टोरेंट और विज्ञापनों के बीच उसे एक आकर्षक पुस्तकालय दिखाई दे। वह भीतर जाए, अपनी पसंद की किताब उठाए और विमान में पढ़ने लगे। यह दृश्य अपने आप में बदलती संस्कृति का संकेत होगा। इस पहल का सबसे सकारात्मक प्रभाव बच्चों और युवाओं पर पड़ सकता है। बच्चे वही आदतें जल्दी अपनाते हैं जो उन्हें सहज और आकर्षक वातावरण में दिखाई देती हैं।

यदि एयरपोर्ट जैसी आधुनिक जगह पर उन्हें किताबें सहजता से उपलब्ध होंगी तो किताब उनके लिए केवल स्कूल की चीज नहीं रहेगी, बल्कि यात्रा और मनोरंजन का हिस्सा भी बन सकती है। युवा पीढ़ी के लिए यह पहल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि आज उनका बड़ा हिस्सा डिजिटल सामग्री में व्यस्त है। डिजिटल माध्यम बुरा नहीं है, लेकिन पढ़ने की आदत का स्थान पूरी तरह स्क्रीन नहीं ले सकती। स्क्रीन सूचना देती है, किताब विचारों को गहराई देती है। किताबों का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। पढ़ने वाला व्यक्ति धीरे-धीरे अधिक संवेदनशील, विचारशील और प्रश्न करने वाला बन सकता है। जो व्यक्ति इतिहास पढ़ता है, वह वर्तमान को बेहतर समझ सकता है। जो साहित्य पढ़ता है, वह भावनाओं को बेहतर समझ सकता है। जो विज्ञान पढ़ता है, वह अंधविश्वास से प्रश्न कर सकता है। जो जीवनियां पढ़ता है, वह संघर्ष से प्रेरणा ले सकता है। इसलिए पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देना केवल पढ़ने की आदत को बढ़ाना नहीं है; यह विचारशील समाज बनाने की दिशा में निवेश है।

फ्लाब्रेरी जैसी पहल की सफलता इस बात में नहीं होगी कि कितनी किताबें एयरपोर्ट से ली गईं, बल्कि इस बात में होगी कि कितने लोगों ने किताब उठाने के बाद पढ़ने की आदत को अपने जीवन का हिस्सा बनाया। विमान में हमारे पास सीट है, सामने स्क्रीन है, मोबाइल है, इंटरनेट है और कुछ घंटों का समय है। लेकिन यदि उसी समय हमारे हाथ में एक किताब हो तो यात्रा का अनुभव ही बदल सकता है। उड़ान तो विमान भी देता है, लेकिन ऊंचाई तक पहुंचाने का काम अक्सर एक अच्छी किताब करती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कांवड यात्रा

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में रविवार को पवित्र श्रावण मास के दौरान कांवड़ यात्रा के समय एक कांवड़िया अपने कंधों पर भगवान शिव की मूर्ति ले जाता हुआ।

न्यूयॉर्क में भारतीय नागरिक की गोली मारकर हत्या

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में 27 वर्षीय भारतीय नागरिक गुरदीप सिंह की कहासुनी के बाद एक अज्ञात व्यक्ति ने गोली मारकर हत्या कर दी। स्थानीय मीडिया की खबर से यह जानकारी मिली। क्वींस निवासी गुरदीप सिंह को शुक्रवार रात लगभग 10 बजे (स्थानीय समयानुसार) पूर्वी न्यूयॉर्क के स्टेनली एवेन्यू के निकट गोली मारी गई। घटना के बाद संदिग्ध मौके से फरार हो गया। 'सीबीएस न्यूज' के अनुसार, पुलिस के मौके पर पहुंचने पर उन्हें एक व्यक्ति मिला, जिसके सीने में गोली लगी थी। अस्पताल ले जाये जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

'सीबीएस न्यूज' को मिली सीसीटीवी फुटेज में दो लोग सड़क पर लड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद रोशनी की एक चमक दिखाई देती है, जिसे गोली चलने का संकेत माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक व्यक्ति जमीन पर गिर गया, जबकि दूसरा कार में बैठकर वहां से फरार हो गया। पुलिस ने शनिवार सुबह तक इलाके में सबूत एकत्र करने का प्रयास किया। अभी तक इस मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है और जांच जारी है। अमेरिका स्थित 'नॉर्थ अमेरिकन पंजाबी एसोसिएशन' (एनएपीए) ने रविवार को लगभग एक दशक पहले अमेरिका आए सिंह की हत्या पर दुख जताया। एनएपीए के कार्यकारी निदेशक सतनाम सिंह चहल ने कहा कि इस घटना को अलग-थलग घटना मानकर नहीं देखा जाना चाहिए। चहल ने कहा, 'जब भी किसी युवा पंजाबी या सिख व्यक्ति की हत्या होती है, एक परिवार बर्बाद हो जाता है। बार-बार होने वाली ऐसी हिंसा रोकी जानी चाहिए।''

चार दशक की युद्ध तैयारी ने ईरान को तबाह करना अमेरिका के लिए मुश्किल बनाया : भारतीय रक्षा विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। भारतीय सैन्य विशेषज्ञ ने कहा कि ईरान ने अमेरिका के साथ संभावित युद्ध के लिए चार दशक तक तैयारी की थी, जिसमें उसके शीर्ष नेतृत्व के खत्म होने जैसी परिस्थितियों से निपटने की तैयारी भी शामिल थी, यही वजह है कि उसके विरोधियों के लिए ईरान को पूरी तरह तबाह करना मुश्किल हो रहा है। 'ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) अमेरिका' की ओर से शुक्रवार को वाशिंगटन में आयोजित एक परिचर्चा में भारतीय सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों ने कहा कि अमेरिका और इजराइल के साथ संघर्ष में भारी नुकसान उठाने के बावजूद ईरान में लंबा खींचने वाला युद्ध लड़ने की क्षमता है।

भारत की रक्षा खुफिया एजेंसी के पूर्व प्रमुख ढिल्लों ने कहा कि इस युद्ध से सबसे बड़ी सीख यह है कि किसी भी सैन्य अभियान का राष्ट्रीय लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और उससे बाहर निकलने की रणनीति पहले से तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा, युद्ध शुरू करने से पहले कुछ बातें जानना जरूरी है। आपका घोषित राष्ट्रीय लक्ष्य आपके लिए, आपकी सेना और सरकार में मौजूद लोगों के लिए स्पष्ट होना चाहिए।

यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि युद्ध के किस चरण में आप जीत की घोषणा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''इसके बाद निकास रणनीति आती है, खासकर तब जब युद्ध किसी दूसरे देश में लड़ा जा रहा हो। उस क्षेत्र से मैं कैसे बाहर निकलूंगा? ढिल्लों ने कहा कि युद्ध में उतरने वाले देशों को युद्ध के विस्तार की स्थिति के लिए भी तैयारी करनी चाहिए और उस पर नियंत्रण रखना चाहिए, खासकर जब उनका सामना एक साथ अमेरिका और इजराइल जैसी शक्तियों से हो। ढिल्लों ने कहा कि ईरान ने पिछले 40 वर्षों में संभावित युद्ध की जिस रूपरेखा को ध्यान में रखकर तैयारी की थी, मौजूदा संघर्ष काफी हद तक उसी के अनुरूप रहा। उसने अपने शीर्ष नेतृत्व के संभावित नुकसान जैसी परिस्थितियों से निपटने की तैयारी भी पहले से कर रखी थी।

उन्होंने बताया कि ईरान ने मोजेक सिद्धांत अपनाया और अपनी सशस्त्र सेनाओं को 31 स्वतंत्र मुख्यालयों में विकेंद्रीकृत किया। केंद्रीय नेतृत्व नष्ट होने की स्थिति में भी ये मुख्यालय काम करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि ईरान ने लंबा खींचने वाला युद्ध लड़ने की क्षमता बरकरार रखी है, जिसमें कमजोर पक्ष को फायदा मिल सकता है। सेवानिवृत्त अधिकारी ने कहा कि ईरान का पहाड़ी भूभाग उसके विरोधियों के लिए जमीनी हमला मुश्किल बनाता है, जबकि इराक और सऊदी अरब के अपेक्षाकृत खुले रेगिस्तानी इलाकों में ऐसा करना आसान है।

मंथम4युवा

महाराष्ट्र भर से आए ढोल-ताशा वादक रविवार को नागपुर के रेशमबाग मैदान में 'मंथन4युवा नागपुर 2026' युवा कार्यक्रम के समापन समारोह में भाग लेते हुए।

बांग्लादेश में सेवानिवृत्त हिंदू शिक्षक, पत्नी, दो बच्चों की हत्या; दो हिरासत में

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के रंगपुर शहर में स्कूल के एक सेवानिवृत्त हिंदू शिक्षक, उनकी पत्नी और दो बच्चों की उनके आवास पर कथित तौर पर हत्या कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। डेली स्टार' अखबार की खबर के अनुसार, मृतकों की पहचान गणपति चक्रवर्ती (65), प्रीतिलता चक्रवर्ती (50), अगामी चक्रवर्ती प्रार्थी (23) और प्रियम चक्रवर्ती (12) के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्याओं में कथित संलिप्तता के आरोप में मुग्धो और सिद्धार्थ नाम के दो लोगों को हिरासत में लिया है। दोनों आपस में चचेरे भाई हैं। रंगपुर मेट्रोपॉलिटन पुलिस के आयुक्त मोहम्मद अब्दुल माबूद ने रविवार को मीडिया को बताया कि दोनों आरोपी बृहस्पतिवार रात बगल की इमारत के रास्ते चक्रवर्ती के घर की छत पर पहुंचे और वहां मादक पदार्थ 'याबा' का सेवन किया।

अधिकारी के अनुसार, आवाज सुनकर गणपति चक्रवर्ती छत पर गए और वहां मौजूद दोनों लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने बताया कि खुद के पकड़े जाने से बचने के लिए आरोपियों ने चक्रवर्ती के कंधे पर रखे गमछे से उनका गला घोंट दिया। अधिकारी ने बताया कि शोर सुनकर चक्रवर्ती की पत्नी ऊपर गईं, जहां आरोपियों ने कथित तौर पर सीढ़ियों पर कपड़े के एक टुकड़े से उनका भी गला घोंट दिया। पुलिस ने बताया कि घटना के दौरान दंपति की बेटी और बेटे की भी हत्या कर दी गई। रंगपुर शहर के दासपाड़ा इलाके में स्थित परिवार के बंद मकान से शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे चारों सदस्यों के शव बरामद किए गए।

एजुकेशन सिस्टम ऐसा हो कि हर बच्चा को अच्छी शिक्षा का मौका मिले : भूमि पेडनेकर

गोवा/एजेन्सी

डॉ. अश्विन फर्नांडिस ने पैक्ट फाउंडेशन के स्थापना दिवस समारोह और गोवा के पहले कम्युनिटी रेडियो स्टेशन मंडोवी के लॉन्च पर एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने शिरकत की। समारोह के बाद अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा कि कोई देश तभी खुशहाल हो सकता है, जब यहां की एजुकेशन अच्छी हो। अभिनेत्री ने समारोह में शामिल होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं इस खास आयोजन में शामिल होने के लिए बहुत-बहुत शुक्रगुजार हूं कि मुझे एक ऐसे कार्यक्रम का हिस्सा बनने का मौका मिला, जो ऐसी कहानियों से भरी है। यहां आकर मैं बहुत इंस्पायर हो गई हूं। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने बताया कि समारोह में शामिल होकर काफी प्रेरणा मिली है। उन्होंने कहा, मेरा मानना ङ्कङ्कहै कि एक मजबूत, खुशहाल समाज

और खुशहाल देश तभी बन सकता है, जब अच्छी एजुकेशन दी जाए, खासकर स्टूडेंट को। मुझे लगता है कि डॉ. अश्विन फर्नांडिस के सपोर्ट से ऑर्गनाइजेशन ने बहुत शानदार काम किया है। एजुकेशन बहुत जरूरी है, मैं खुद मध्य प्रदेश में इसी को लेकर काम कर रही हूं।उनका मानना है कि सभी को डॉ. अश्विन फर्नांडिस से सीखना चाहिए कि इतना बड़ा इम्पैक्ट डालने के लिए सिस्टम और प्रोसेस कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा, गोवा आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है।

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने आगे कहा, मुझे लगता है कि हमारे समाज के कुछ हिस्सों को उस तरह की एजुकेशन नहीं मिल पाती, जो इस तरह के स्टेज दे रहे हैं। मुझे लगता है कि यह एजुकेशन का ट्रेडिशनल रास्ता अपनाने के बारे में नहीं है, बल्कि यह इसके लिए है कि बच्चा आगे बढ़कर अपने जीवन में क्या करेगा या कर सकता है, जैसे कि वह स्पोर्ट पर्सन बन सकता है, नासा में जा सकता है, फिल्मी जगत में नाम बना सकता है। ऐसे ही कई जगहों में अपना करियर चुन सकता है। मेरा मानना है कि ग्लोबल एजुकेशन को इतना मजबूत होना चाहिए कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा का मौका मिले।

रेखा के साथ 'उमराव जान' देखना रहा यादगार : रसिका दुग्गल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने भारतीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2026 में 'बेस्ट एक्ट्रेस (सीरीज)' का पुरस्कार जीतकर नया कीर्तिमान हासिल किया है। शनिवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी मेलबर्न जर्नी के बारे में बताया। अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने इंस्टाग्राम पर मेलबर्न फिल्म फेस्टिव की कुछ झलकियां शेयर कीं। इसमें उनके साथ अभिनेत्री रेखा, रानी मुखर्जी और अभिनेता विजय शामिल हैं। इसके साथ ही स्टेज पर पुरस्कार लेते हुए भी तस्वीर नजर आ रही है। अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट के जरिए फिल्म फेस्टिवल में यादगार पलों के बारे में बताया। साथ ही, क्लासिक उमराव जान देखने के अनुभव को याद किया और रानी मुखर्जी के बारे में एक इमोशनल किस्सा शेयर किया।

लिखा, लंबी फ्लाइट्स, एक के बाद एक इवेंट्स जल्दी-जल्दी में किया गया मेकअप, मेरा कैमरा खुद कहता है कि अपना लेंस साफ करो और हेडफोन कभी मिलता ही नहीं। इन सबके बावजूद मुझे हैरान होती है कि मैं हमेशा आईएफएफएम से इंसपायर्ड होकर लौटती हूं। मुझे एहसास होता है कि पागलपन भरी जिंदगी वाकई में जीने लायक है।अभिनेत्री ने आगे फिल्म प्रोड्यूसर मिटू भौमिक लांगे और स्टाइलिश नताशा समेत पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। साथ ही, बताया कि अभिनेत्री रेखा कि फिल्म उमराव का असर आज भी बरकरार है। उन्होंने लिखा, रेखा जी और ऐसी ऑडियंस के साथ फिल्म उमराव जान देखना, जो फिल्म के डायलॉग पूरे कर रही थी और गानों के साथ गा रही थी। एक फिल्म का 45 साल बाद भी ऐसा असर हो सकता है। अभिनेत्री ने आगे रानी मुखर्जी की कहानी के बारे में बताते हुए लिखा, रानी मुखर्जी को स्कूल के एक नाटक में शकुंतला के रोल के लिए कास्ट न होने की एक खूबसूरत कहानी सुनाते हुए सुनना - जिससे मैं पूरी तरह से जुड़ पाई। पता चला हम सबकी एक शकुंतला वाली कहानी है और जाहिर है, दिल्ली क्राइम सीरीज के लिए अवॉर्ड जीतना भी मेरे लिए खास था।

मैं भारत और मानवता का समर्थक हूं, 'बंटवारा 1947' की आलोचना पर राजकुमार संतोषी ने दिया जवाब

मुंबई/भाषा। फिल्मकार राजकुमार संतोषी का कहना है कि मानवता सभी धर्मों से ऊपर है और विभाजन पर आधारित उनकी नई फिल्म बंटवारा 1947 में भी मुख्य रूप से यही दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि फिल्म में किसी धर्म या देश को जानबूझकर बुरा नहीं दिखाया गया है। संतोषी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत के दौरान कहा, मेरा मानना है कि सच बोलना किसी मौसम या चलन पर निर्भर नहीं है। सच बिना किसी झिझक के बोलना चाहिए। 'बंटवारा' विषय मेरे दिल के बहुत करीब है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी और सनी देओल अभिनीत यह फिल्म असगर वजाहत के चर्चित नाटक जिस लाहौर नइ वेख्या, ओ जम्या ई नइ पर आधारित है। फिल्म में एक मुस्लिम शरणार्थी परिवार लखनऊ से लाहौर जाता है और उसे एक हिंदू परिवार की छोड़ी हुई हवेली रहने के लिए मिलती है। जब मुस्लिम परिवार को यह पता चलता है कि बुजुर्ग हिंदू महिला 'माई' (शबाना आजमी) अभी भी उस हवेली में रह रही हैं और अपने पुश्तैनी घर को छोड़ने से इनकार कर रही हैं, तो वह परेशान हो जाता है। इस दौरान दोनों पक्षों को विभाजन के दर्द, नुकसान और उससे जुड़ी नैतिक जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। संतोषी ने कहा, मैंने कभी दुष्प्रचार पर आधारित फिल्म नहीं बनाई और न ही भविष्य में कभी ऐसा करूंगा। मैं केवल वही फिल्में बनाता हूं, जिन्हें मुझे लगता है कि दर्शकों के साथ साझा किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, यह फिल्म मानवता पर केंद्रित है, जिसमें एक किरदार हिंदू है और दूसरा मुस्लिम। मेरा यह भी मानना है कि मानवता सभी धर्मों से ऊपर है। फिल्म 14 अगस्त को रिलीज हुई और इसे अच्छी प्रतिक्रियाएं मिलीं, लेकिन आलोचना का भी सामना करना पड़ा। दर्शकों के एक वर्ग ने फिल्म को मुस्लिम और पाकिस्तान समर्थक बताया, लेकिन संतोषी इससे परेशान नहीं हैं।

सुनिधि चौहान के करियर की हीरो निकलीं तबस्सुम

मुंबई/एजेन्सी

गायिका सुनिधि चौहान आज मनोरंजन जगत का जाना-माना नाम है, लेकिन उनके करियर के शुरुआती सफर में अभिनेत्री तबस्सुम ने अहम रोल निभाया था। इस बात का खुलासा खुद सुनिधि चौहान ने क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में किया। क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति-18' के आगामी एपिसोड में सुनिधि चौहान मशहूर गीतकार प्रसून जोशी के साथ नजर आएंगी, जिसमें उन्होंने बताया कि तबस्सुम ही उन्हें मुंबई लेकर आई थी और दिग्गज कंपोजर कल्याणजी से मिलवाया। गायिका ने अपने सफर की बात करते हुए बताया कि जब वह सिर्फ चार साल की थीं, तब सिंगिंग एक पैशन के तौर पर शुरू किया और धीरे-धीरे यह उनका प्रोफेशन बन गया। उन्होंने कहा, जब मैं चार साल की थी, तब से

सिंगिंग मेरे लिए सिर्फ एक पैशन था। मुझे पता भी नहीं चला कि यह कब प्रोफेशन बन गया।

फिर सुनिधि ने उस मुलाकात को याद किया, जिसने उनकी जिंदगी का रास्ता बदल दिया। उन्होंने कहा, एक शो में तबस्सुम जी आई थीं, तो मुझे तबस्सुम जी ने सुना। उन्होंने कहा तुम मुंबई आओ।शुरुआती मुश्किल दिनों को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि तबस्सुम ने उन्हें घर बुलाया, उनसे गाना सुना और बाद में उन्हें कल्याणजी-आनंदजी के पास ले गईं, जिनके साथ उनके बहुत करीबी रिश्ते थे।

सुनिधि ने याद करते हुए कहा, शुरुआत के वो बहुत ही मुश्किलों से भरे दिन हुआ करते थे।उन्होंने आगे बताया कि कल्याणजी ने उनके कई गाने सुने। उन्होंने कहा, कल्याणजी अंकल ने एक गाना नहीं, आधा-पौना घंटा मेरे बहुत सारे गाने सुने।सुनिधि ने बताया कि गाने सुनने के बाद कल्याणजी ने उनसे कहा कि अब वह दिल्ली वापस नहीं जाएंगी।

इस एपिसोड में एक खास म्यूजिकल पल भी देखने को मिला, जब सुनिधि ने अमिताभ बच्चन से 'रंग बरसे' गाने की कुछ लाइनें गाने की रिक्वेस्ट की। बिग बी ने उनकी बात मान ली और ये मशहूर गाना गाया और सुनिधि ने उनके साथ सुर मिलाए, जिससे पूरा स्टूडियो एक जश्न में बदल गया।

'टॉक्सिक' ने दिखाए ब्लॉकबस्टर के संकेत

मुंबई/एजेन्सी

यश की 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' ने रिलीज से पहले ही हिंदी बॉक्स ऑफिस में अपनी ताकत दिखानी शुरू कर दी है। 26 अगस्त को सिनेमाघरों में पहुंचने जा रही इस फिल्म की एडवांस बुकिंग ने इसे 'धुरंधर 2' के बाद 2026 की सबसे बड़ी एडवांस बुकिंग वाली फिल्मों में शामिल कर दिया है। खास बात यह है कि कन्नड़ मूल की फिल्म होने के बावजूद हिंदी बाजार में 'टॉक्सिक' जिस रफ्तार से टिकट बेच रही है, उसने इसे मौजूदा दौर की बड़ी हिंदी रिलीजों की कतार में खड़ा कर दिया है। हिंदी बाजार में फिल्म की शुरुआती पकड़ का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राष्ट्रीय मल्टीप्लेक्स श्रृंखलाओं में शुरुआती छह घंटों में ही 'टॉक्सिक' के करीब 30 हजार टिकट बिक गए थे। यह आंकड़ा इस साल की कई बड़ी ओपनिंग फिल्मों की शुरुआती बुकिंग से बेहतर बताया जा रहा है। यही वजह है कि कारोबार के जानकार अब यश की फिल्म के हिंदी बाजार में बड़े ओपनिंग आंकड़े की उम्मीद कर रहे हैं। 2026 में हिंदी फिल्मों के बीच एडवांस बुकिंग का सबसे बड़ा दबदबा रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' ने बनाया था। फिल्म ने रिलीज से पहले ही इतनी बड़ी संख्या में टिकट बेच दिए थे कि उसके शुरुआती दिन की एडवांस बुकिंग 29 करोड़ रुपये के आसपास पहुंच गई थी। ब्लॉक बुकिंग को अलग करने पर भी वास्तविक टिकट बिक्री से करीब 20.66 करोड़ रुपये की बुकिंग दर्ज हुई थी और लगभग 4.74 लाख टिकट बिके थे।

इसके बाद 'टॉक्सिक' का तेजी से आगे बढ़ना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह

किसी पहले से स्थापित हिंदी फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी नहीं है। 'धुरंधर 2' जहां सफल फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता के साथ रिलीज हुई, वहीं 'टॉक्सिक' यश की स्टार पावर और 'केजीएफ' के बाद उनके प्रति बने दर्शक उत्साह के आधार पर हिंदी बाजार में अपनी जगह बना रही है। कारोबार विश्लेषकों ने भी इसे 2026 की दूसरी सबसे बड़ी एडवांस बुकिंग वाली फिल्म बताया है।

देशभर की सभी भाषाओं को मिलाकर 'टॉक्सिक' की एडवांस बुकिंग 27 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुकी है, जिसमें ब्लॉक बुकिंग भी शामिल है। इनमें हिंदी 2डी संस्करण ने अब तक करीब 7.65 करोड़ रुपये की बुकिंग दर्ज की है। इसके अलावा हिंदी आईमैक्स 2डी से करीब 20.29 लाख रुपये, हिंदी 4डीएक्स से 14.12 लाख रुपये और डॉल्बी सिने प्रारूप से लगभग 43,400 रुपये की बुकिंग हुई है। यानी फिल्म की सबसे बड़ी ताकत केवल कर्नाटक नहीं है। हिंदी बाजार में भी यश की लोकप्रियता 'टॉक्सिक' को बड़ी शुरुआत की तरफ ले जाती दिखाई दे रही है। अगर रिलीज से पहले बचे दिनों में टिकट बिक्री इसी तरह बढ़ती रही तो फिल्म हिंदी क्षेत्र में 30 करोड़ रुपये के आसपास या उससे ऊपर की ओपनिंग के लिए मजबूत दावेदार बन सकती है।

'टॉक्सिक' की मौजूदा एडवांस बुकिंग की तुलना जब इस साल की बड़ी हिंदी फिल्मों से की जा रही है तो तस्वीर काफी दिलचस्प नजर आती है। 'धुरंधर 2' ने फ्रेंचाइजी की ताकत और रणवीर सिंह की लोकप्रियता के दम पर एडवांस बुकिंग में असाधारण प्रदर्शन किया था। इसके बाद 'टॉक्सिक' का इतनी तेजी से राष्ट्रीय चेन और हिंदी बाजार में जगह बनाना यह बताता है कि यश अब केवल दक्षिण भारतीय दर्शकों तक सीमित स्टार नहीं रह गए हैं।'केजीएफ: चैप्टर 2' के बाद यश की लोकप्रियता हिंदी बेल्ट में काफी बढ़ी है। यही वजह है कि उनकी नई फिल्म की रिलीज को लेकर उत्तर भारत के दर्शकों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।देशभर में सभी भाषाओं और प्रारूपों को मिलाकर 'टॉक्सिक' की एडवांस बुकिंग तथा ब्लॉक बुकिंग का आंकड़ा करीब 27.29 करोड़ रुपये बताया गया है और 4.70 लाख से अधिक टिकट बिक चुके हैं।

फिल्म की रिलीज में अभी समय बाकी है, इसलिए अंतिम आंकड़ा इससे काफी ऊपर जा सकता है।हिंदी बाजार के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि फिल्म की एडवांस बुकिंग अभी उस स्तर तक नहीं पहुंची है जहां इसे रिलीज के बाद की कमाई के आधार पर परखा जा सके। लेकिन शुरुआती टिकट बिक्री यह संकेत जरूर दे रही है कि 'टॉक्सिक' हिंदी बॉक्स ऑफिस पर केवल एक डब फिल्म बनकर नहीं आ रही, बल्कि यश की स्टार पावर के सहारे बड़ी हिंदी रिलीज को चुनौती देने की स्थिति में है। अब असली परीक्षा 26 अगस्त से शुरू होगी। एडवांस बुकिंग के आंकड़े जिस तरह लगातार ऊपर जा रहे हैं, उससे साफ है कि 'टॉक्सिक' की नजर केवल अच्छी शुरुआत पर नहीं, बल्कि हिंदी बॉक्स ऑफिस पर यश की सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज कराने पर भी है।

शुभचन्द्र महाराज की जयंती सामायिक एवं एकासन के साथ तप त्याग से मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के एसएस जैन संघ के तत्वावधान में जैन भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित जयगच्छाधिपति आचार्य श्री पार्श्वचन्द्रजी म.सा. एवं युवा मनीषी डॉ. श्री पदमचन्दजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती श्री जयतिलकमुनि जी म.सा. ने आचार्य सम्राट श्री शुभचन्द्रजी म.सा. की 87वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर उनके दिव्य व्यक्तित्व एवं कृतित्व का भावपूर्ण गुणगान किया। अपने प्रेरणादायी प्रवचन में मुनिश्री ने फरमाया कि आचार्य सम्राट श्री शुभचन्द्रजी म.सा. का सांसारिक नाम पुखराज सोनी था। आपका जन्म वीर माता श्रीमती वीराबाई एवं वीर पिता श्री दीपचन्दजी सोनी के यहां राजस्थान के पाली जिले स्थित रूपावास चारणान ग्राम में श्रावण सुदी 11, 1939 को हुआ। बाल्यकाल से ही आपके अंतर्मन में वैराग्य के संस्कार विद्यमान थे। सांसारिक आकर्षणों से दूर रहते हुए उनका मन सदैव धर्म, साधना एवं आत्मकल्याण की ओर उन्मुख रहता था।

मुनिश्री ने बताया कि बालक पुखराज के भीतर वैराग्य की भावना प्रबल थी, किन्तु प्रारम्भ में उन्हें उपयुक्त गुरु-सान्निध्य प्राप्त नहीं हो पाया। बाद में उन्हें जयगच्छीय महासती श्री पन्नाकंवरजी म.सा. के पास भेजा गया। चातुर्मास के दौरान उनके सान्निध्य में रहकर बालक पुखराज के भीतर धर्म एवं संयम के संस्कार और अधिक दृढ़ हुए। स्थिति यह थी कि चातुर्मास पूर्ण होने के पश्चात भी उनका घर लौटने का मन नहीं हुआ। तत्पश्चात उन्हें स्वाध्याय प्रेमी जयगच्छीय स्वामी श्री चांदमलजी म.सा. के सान्निध्य में भेजा गया, जहां उनके वैराग्य जीवन को नई दिशा प्राप्त हुई। पूज्य मुनिश्री ने बताया कि लगभग आठ माह के वैराग्य काल के पश्चात वैशाख वद दशमी, 1956 को राजस्थान के नागौर जिले स्थित हरसोलाव में स्वामी श्री चांदमलजी म.सा. के करकमलों से उन्हें भागवती दीक्षा प्राप्त हुई। दीक्षा के उपरांत उन्होंने हिन्दी, संस्कृत, प्राकृत एवं गुजराती भाषाओं का गंभीर अध्ययन कर शास्त्रज्ञान में विशेष प्रावीण्य प्राप्त किया। वे मधुरभाषी, मधुर व्याख्याता, मधुर गायक, प्रशांतचेता, समन्वयवादी, गुणग्राही, विनयशील एवं अत्यंत नम्र संत के रूप में विख्यात हुए।

उन्होंने बताया कि आचार्य सम्राट श्री शुभचन्द्रजी म.सा. ने अपने संयम जीवन में अनेक कठिन तप एवं साधनाएं कीं। शरीर में विभिन्न प्रकार की वेदनाएं एवं अस्वस्थताएं होने के बावजूद उनके मुखमंडल पर सदैव मधुर मुस्कान बनी रहती थी। विपरीत परिस्थितियों में भी समभाव बनाए रखना उनके जीवन की विशेषता थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में उन्होंने तमिलनाडु क्षेत्र में भी विहार कर धर्म प्रभावना का कार्य किया था।

जयतिलकमुनि जी म.सा. ने बताया कि आचार्य सम्राट श्री शुभचन्द्रजी म.सा. ने अपने जीवनकाल में ही अपने उत्तराधिकारी के रूप में आचार्य प्रवर श्री पार्श्वचन्द्रजी म.सा. को प्रतिष्ठित किया। भाद्रपद शुक्ल पंचमी, संवत्सरी महापर्व, सन् 2015 में अमरावती (महाराष्ट्र) में चतुर्विध संघ द्वारा उन्हें जयगच्छाधिपति एवं आचार्य सम्राट पद से विभूषित किया गया। उनका सम्पूर्ण जीवन संघ संगठन, धर्म प्रभावना, शास्त्र अध्ययन एवं साधना का अनुपम उदाहरण रहा।

जयंती कार्यक्रम के सम्पूर्ण लाभार्थी मोतीलाल प्रकाश मुकेश सुराणा परिवार थे। नमस्कार महामंत्र का जाप राकेशजी जिनेश नाहर का घर सम्पन्न हुआ। संचालन संघ अध्यक्ष संजय पिंचा एवं उपाध्यक्ष सज्जनराज सुराणा ने किया। प्रवचन पूर्व कान्तिलाल छल्लानी, सुनील कोठारी, भद्रेश जैन, सुमन घिया, खिमेश सुराणा एवं सपना ललवानी ने आचार्य सम्राट श्री शुभचन्द्रजी म.सा. के जीवन प्रसंगों पर प्रकाश डाला। यह जानकारी संघ महामंत्री पृथ्वीराज बागरेचा ने दी।

रिश्तों का प्रबंधन सीखना है तो रामायण से सीखो : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म. की पावन निश्रा में वेपेरी स्थित श्री भुवनभानुसूरी प्रवचन मंडप में रविवार प्रातः 'युवा शिविर-4' एवं भगवान पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर 1008 सामूहिक अट्ठमतप आराधना के पचक्खाण का कार्यक्रम श्रद्धा एवं भक्तिभाव से संपन्न हुआ। अट्ठमतप की आराधना करने वाले सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने आचार्यश्री के श्रीमुख से पचक्खाण ग्रहण किए। इनमें 8 से 14 वर्ष की आयु के बच्चे भी बड़ी संख्या में शामिल रहे। युवाओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री ने रिलेशनशिप मैनेजमेंट' को संतुलित रखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि संबंधों को निभाने की कला सीखनी है तो रामायण से सीखो। रामायण केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला महान ग्रंथ है। इसमें माता-पिता, भाई-भाई, पति-पत्नी, मित्र एवं परिवार के साथ प्रेम, त्याग, विश्वास, मर्यादा और समर्पण से संबंध निभाने का मार्गदर्शन मिलता है।

राम-सीता के चित्रकूट प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों के बीच चरणों की सुंदरता को लेकर संवाद हुआ, लेकिन विवाद नहीं। संवाद में कोई हारता नहीं, जबकि विवाद में दोनों हार जाते हैं। उन्होंने युवाओं से आत्मचिंतन करने को कहा कि उनके घर में संवाद होता है या विवाद। उन्होंने कहा कि लक्ष्मण में बिना शब्दों का समर्पण, सीता में बिना शिकायत का स्नेह और हनुमान में बिना स्वार्थ की सेवा थी। यही गुण संबंधों को सहज और संतुलित बनाते हैं। राम के जीवन से संबंधों के आदर्श सीखने का आह्वान करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि राम सफल पुत्र थे। पिता के वचन की मर्यादा रखने के लिए उन्होंने सहजता से चौदह वर्ष का वनवास स्वीकार किया। भरत के राज्याभिषेक पर भी उनके हृदय में प्रसन्नता थी। जहां समर्पण होता है, वहां सवाल नहीं, स्वीकार होता है। उन्होंने माता-पिता के प्रति कर्तव्य निभाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि अपने व्यवहार से उन्हें हंसाओ या नहीं, लेकिन रुलाने का काम मत करो। भाई-भाई के संबंध पर उन्होंने कहा कि जो अपने हक का भी छोड़ दे, वह राम है और जो हराम का छीन ले, वह रावण है। जीवन की हारी बाजी जीतनी है तो भाई को साथ रखो। पति-पत्नी के संबंध में विश्वास, समय, संवाद और सहनशीलता को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि रिश्ते चाहे कोई भी हों, उनका सबसे मजबूत पासवर्ड विश्वास है। साथ बैठना ही पर्याप्त नहीं, एक-दूसरे को समय देना और संवाद करना भी जरूरी है। मित्रता के संदर्भ में उन्होंने कहा कि राम ने विभीषण और सुग्रीव के साथ मित्रता निभाई, जबकि गलत संगत ने सुयोधन को दुर्योधन बना दिया। इसलिए यह महत्वपूर्ण नहीं कि आप कहां बैठते हैं, बल्कि यह महत्वपूर्ण है कि आप किसके साथ बैठते हैं। उन्होंने मित्रों के चार प्रकार, ताली मित्र, थाली मित्र, प्याली मित्र और खाली मित्र बताते हुए सच्चे मित्र की पहचान समझाई।

उन्होंने कहा कि रामायण के प्रत्येक पात्र में संबंध प्रबंधन के सूत्र छिपे हैं। युवाओं को लोग क्या कहेंगे', मुझसे नहीं होगा', मेरा मूड नहीं है', मेरी किस्मत खराब है' और मेरे पास टाइम नहीं है' जैसे नकारात्मक वाक्यों को जीवन से निकालने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर संघ में मध्याह्न शिशु बाल संस्कार शिविर का भी आयोजन हुआ। हुबली के अमन जैन ने संगीत की प्रस्तुति दी।

माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 'धमोली' में बॉलीवुड सावन का

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 22 अगस्त को महेश्वरी भवन में 'धमोली' का सुंदर एवं भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। लगभग 165 सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की रौनक और उत्साह को और भी बढ़ा दिया। सभी सदस्यों ने पूरे उमंग और उत्साह के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ महेश वंदना के साथ हुआ। अध्यक्ष ममता बागड़ी द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों के हार्दिक स्वागत किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत नन्ही-सी माहीरा मोहता द्वारा सुंदर गणेश वंदना पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुति से हुई। कार्यक्रम में विमला दमानी एवं उनकी टीम द्वारा बालीवुड सावन धमाका थीम पर आयोजित गेम शो ने सभी का खूब मनोरंजन किया। इस पूरे कार्यक्रम की संयोजिका शिवानी मूंधड़ा एवं राखी मूंधड़ा रहीं, जिनके अथक प्रयासों, समर्पण और कुशल संयोजन से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

नामांकन की जिम्मेदारी श्रीकांता मोहता, रेणु सदानी और शिल्पा सदानी ने बखूबी संभाली। रेखा राठी एवं सपना ने गिफ्ट की जिम्मेदारी बहुत अच्छे से निभाई। मंजुश्री मालपानी एवं कीर्ति बागड़ी ने भोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली। इसके अतिरिक्त जिन-जिन सदस्यों को जो भी जिम्मेदारियाँ सौंपी गई थीं, सभी ने उन्हें पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ निभाया। धमोली में अर्पित मंत्री ने शानदार रैप सॉन्ग प्रस्तुत कर सभी का खूब मनोरंजन किया, वहीं राघव बाहेती ने बेहद सुंदर बॉलीवुड गीत प्रस्तुत कर समां बाँध दिया। कार्यक्रम के सभी प्रायोजकों का हृदय से आभार करते हुए सम्मान किया गया। सचिव कुसुम मालपानी

जीवन में हमेशा दूसरों से गुण ग्रहण करने का भाव रखना चाहिए : साध्वीश्री मंगलज्योति

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने रविवार को अपने प्रवचन में कहा कि आप जीवन व्यवहार में हर चीज का मूल्यांकन करते है।

अब आवश्यकता है व्यक्ति अपने जीवन में अपने आत्मशक्ति का भी मूल्यांकन करने में अपने पुरुषार्थ को जागृत करें ताकि संसार के बाहरी भौतिक नाशवान पदार्थों से हमारी उन चीजों पर से आसक्ति कम हुई है। हमारा क्रोध, मान, माया, लोभ कषाय भाव कितना कम हुआ है। इन बातों का मूल्यांकन करना भी आत्म कल्याण की दिशा में आगे बढने के लिए बहुत जरूरी है।

उन्होंने कहा कि संसार से हमारा आसक्ति भाव कम करने से हमारी आत्मा को भी प्रभु सम जीवन जीने का मौका मिल सकता। साध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने आचारंग सूत्र के माध्यम से अपनी बात रखते हुए कहा कि हमें सद्गुरु की शरण ग्रहण करनी चाहिए जिससे हम अपने आत्मा के सही पहचान कर सके ।

अपनी आत्मा के वास्तविक स्वरूप को जानकर ही हम अपना आत्म कल्याण कर सकने में आगे बढ़ सकते हैं।

एक व्यक्ति नहीं दिव्य विभूति थे मरुधर केसरी श्री मिश्रीमल जी म. सा. : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ चूलै स्थित लक्ष्मी महल में चातुर्मासार्थ विराजित श्री कपिल मुनिजी म.सा. के सान्निध्य व श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन चातुर्मास समिति 2026 चेन्नई व श्री मरुधर केसरी जैन गुरु सेवा समिति तमिलनाडु के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को श्रमण सूर्य मरुधर केसरी श्री मिश्रीमल जी म.सा. की 136 वीं और लोकमान्य संत प्रवर्तक श्री रूपचंद्र जी म.सा. की 98 वीं जयंती जप तप की आराधना के साथ समारोहपूर्वक मनाई गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने एकासन, आयम्बिल, उपवास आदि तप की आराधना और 3-3 सामयिक साधना के द्वारा श्रद्धा प्रकट की। कपिल मुनि जी ने मरुधर केसरी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनमानस के बीच मरुधर केसरी के नाम से लोकप्रिय श्री मिश्रीमल जी म. सा. उस दिव्य और भव्य महामना का नाम है जो तपस्वी, मनस्वी, यशस्वी और तेजस्वी थे। वे एक व्यक्ति नहीं विभूति थे उनका व्यक्तित्व बाह्य और आंतरिक तप के तेज से आप्लावित था वे प्रखर चिंतक और संघ समाज के हित चिंतक थे उनका यश आज भी चहुँ ओर व्याप्त है। वे जनमानस में व्याप्त अज्ञान के अन्धकार को छिन्न भिन्न करने वाले प्रकाशपुंज महामानव और जिनशासन के सजग प्रहरी थे।

उन्होंने संघ और समाज की बिखरी कड़ियों को सदैव जोड़ने का अद्भुत कार्य किया।

मुनिश्री ने कहा कि हृदय को कोमल और मन को सरल बनाए बगैर महानता के पथ पर एक कदम भी नहीं बढाया जा सकता है। जहाँ अपने स्वार्थ को गौण करने की तैयारी हो, अपनी इच्छाओं का बलिदान करने की हिम्मत हो और विषम हालातों में भी मन की समाधि को खंडित नहीं होने देने का लक्ष्य हो वहीं पर महानता का अवतरण होता है। ऐसी ही महानता को आत्मसात करने वाले संत शिरोमणि थे मरुधर केसरी श्री मिश्रीमलजी महाराज साहब। वे सही मायने में अहिंसा के आराधक और संघ समाज सुधारक थे। उन्होंने अपनी आत्मकल्याण की साधना के साथ विश्व का भी मार्गदर्शन किया।

कपिल मुनिजी ने पूज्य प्रवर्तक श्री रूपचंद्र जी म.सा. के गुण स्मरण करते हुए कहा कि वे जिनशासन के देदीप्यमान नक्षत्र थे। उनके जीवन का प्रत्येक क्षण और शरीर का कण कण परमार्थ की सेवा में समर्पित रहा यही वजह से वे जैन जैनेत्तर लोग के बीच भगवान तुल्य आदर और प्रतिष्ठा पाते रहे। उन्होंने सम्पूर्ण जीवन का मानवता की सेवा में बलिदान कर दिया। किसी दुःखी, पीड़ित और शोषित प्राणी को देखकर उनका हृदय करुणा से द्रवित हो उठता मुनि श्री ने कहा कि उनके सम्पर्क में आने वाले हर व्यक्ति को उनका ख़ास और प्रिय होने का अहसास होता था। उनका आशीर्वाद में उठा वरद हस्त और प्रसन्नता वात्सल्य लुटाती मुख मुद्रा भक्त जनों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं थी।

इस प्रसंग पर चातुर्मास समिति के चेयरमैन आनंदमल छल्लानी, अमरचंद छाजेड़, मंत्री शांतिलाल गुगलिया, मदनलाल गुंदेचा,गौतमचंद मुथा, राजेश चोरडिया, ऋतिका चोरडिया ने गुरु भक्ति से ओतप्रोत विचार व्यक्त किए। लाभार्थी आनंदमल छल्लानी, अमरचंद छाजेड़, भीकमचंद लुंकड, जवाहरलाल नाहर, सुनील सुराणा परिवार का चातुर्मास समिति की ओर से आभार व धन्यवाद व्यक्त किया गया।इस मौकेपर समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति सहित बड़ी संख्या में एवं अनेक श्रद्धालुगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कार्याध्यक्ष सी. महावीर भण्डारी ने किया। अध्यक्ष मनीष रांका ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

'ओ मारा नेम' की नाटकीय प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को किया भाव-विभोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान में रविवार प्रातः एससी शाह भवन में आचार्य विजय तीर्थभद्र सूरीश्वरजी म. सा. के शिष्यरत्न मुनिराज तीर्थचैतन्य म. सा. के पावन निश्रा में 'ओ मारा नेम' नामक नाटकीय प्रस्तुति का आयोजन किया गया। प्रस्तुति ने भगवान नेमिनाथ के जीवन के उस करुणामय प्रसंग को सजीव कर दिया, जिसने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। नाटकीय प्रस्तुति में भगवान नेमिनाथ के विवाह प्रसंग, राजुलदेवी की भावनाओं, बारात के उत्साह, निरपराध जीवों की करुण पुकार और अंततः नेमिनाथ प्रभु के हृदय में जागृत हुई करुणा एवं वैराग्य को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। भावपूर्ण संवाद, सजीव अभिनय और आध्यात्मिक संदेश ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

नेमिनाथ प्रभु के जीवन में एक ऐसी घटना घटी, जिसने समूचे प्रसंग को वैराग्य की दिशा में मोड़ दिया। विवाह के लिए लाए गए असंख्य निरपराध पशु-पक्षियों की करुण चीत्कार और हिरणों के रुदन की आवाज भगवान नेमिनाथ के कानों तक पहुंची। उन निरीह प्राणियों की पीड़ा ने उनके हृदय को भीतर तक झकझोर दिया। भगवान नेमिनाथ ने विचार किया कि मेरे विवाह और मेरे सुख के लिए यदि इतने निर्दोष जीवों की हत्या होनी है, तो ऐसा सुख किस काम का? करुणा से द्रवित उनका अंतर्मन जाग उठा। उन्होंने तत्काल अपने सारथी को रथ वापस मोड़ने का आदेश दिया। जिस रथ को विवाह मंडप की ओर जाना था, वह अब संसार से विरक्ति और आत्मकल्याण की ओर, गिरनारजी की दिशा में लौट पड़ा। यह केवल एक रथ का लौटना नहीं था, बल्कि भोग से योग की ओर, मोह से मोक्षमार्ग की ओर और संसार से संयम की ओर बढ़ता हुआ एक महान कदम था। राजुलदेवी के प्रेम और विवाह के समस्त सांसारिक आकर्षण को पीछे छोड़कर भगवान नेमिनाथ ने जीवदया, अहिंसा और आत्मकल्याण को सर्वोच्च स्थान दिया।

जीवन में करनी और कथनी एक होनी चाहिए : अभिजीतमुनि

बेंगलूरु। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी बावीस सम्प्रदाय जैन संघ ट्रस्ट के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि कथनी करनी एक जैसी नहीं तो मानवीयता शर्मसार होती है। आज के युग में सब धन सम्पति के लोभ मे कैंचिया-छुरिया चलाते है। सुई बनकर कोई जोड़ना नहीं चाहता। आज व्यक्ति सज्जनता-धार्मिकता त्यागवर्ती को तो भूल गया है, व्यक्ति को चाहिए कि इंसानियत भाव को बनाए रखे। रविवार को संतों के सान्निध्य में मरुधर केसरी श्री मिश्रीमल जी की 136 वीं जयंती और रुपमुनिजी की 100वीं जयंती मनाई गई और गुणों का स्मरण किया गया। रविमुनिजी ने भी गुणानुवाद करते हुए कहा कि महापुरुषों ने जीयो और जीने दो सन्देश जन जन तक पहुँचाया है।

संत कृपालसिंह महाराज की बरसी पर किया अन्नदान का आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। संतश्री कृपालसिंहजी के 52वें बरसी भंडारे के अवसर पर रविवार को पूर्वा पैनोरमा अपार्टमेंट के सामने अन्नदान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सावन कृपाल रूहानी मिशन के वर्तमान अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंहजी ने वर्चुअल तरीके से सत्संग किया। संतश्री की शिक्षाएं हमेशा के लिए पूरी मानव जाति को आध्यात्मिक मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती रहेंगी। उन्होंने पूरे विश्व को एकता के सूत्र में पिरोने का महान काम किया, इसलिए उन्हें मानव एकता के मार्गदर्शक के रूप में भी याद किया जाता है। कृपाल सिंह जी ने पूरे विश्व को एक बनो, नेक बनो का संदेश दिया यानी सबसे पहले हम स्वयं पिता-परमेश्वर का अनुभव करें और उसके लिए नेकी का जीवन व्यतीत करें। अगर हम ऐसा करेंगे तभी हम सच्चे मायनों में उनके द्वारा दिखाए मार्ग पर चलने के लायक होंगे।

वैचारिक क्रांति के माध्यम से सभी समस्याओं का समाधान संभव : संतश्री कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के हल्लदकेरी स्थित जैन स्थानक भवन में संतश्री कमल मुनिजी कमलेश के सान्निध्य में एक विचार गोष्ठी का आयोजन केंद्र सरकार के पूर्व सचिव कमल टावरी की अध्यक्षता में हुआ। गोष्ठी में पंचगव्य विद्यापीठ के चांसलर डॉ निरंजन वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। गोष्ठी में स्वास्थ्य संबंधित अनेक मुद्दों पर चर्चा हुई।

इस अवसर पर संत कमल मुनि जी ने कहा कि खून, हार्ट, किडनी और लीवर बदलने की मशीन है परंतु विचारों को बदलने की मशीन सरकार और विज्ञान के पास नहीं है। आज व्यक्ति की सोच में परिवर्तन की

जरूरत है। व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण में विचारों की ऊर्जा ऑक्सीजन से महत्वपूर्ण होती है। एक आत्मा में विचारों का दीप प्रज्वलित होता है वह पूरे विश्व को आलोकित कर सकता है। वैचारिक क्रांति के माध्यम से सभी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। आज विश्व को हथियार नहीं महापुरुषों के विचारों की आवश्यकता है। विचारों का सही दिशा मिलेगी तो अपने और विश्व के प्रत्येक प्राणी के लिए के लिए वरदान बनेगा और दिशा नहीं मिली तो सबके लिए अभिशाप बनेगा।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.